● वर्ष-2
● अंक-264
रायपुर, मंगलवार
27 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

अब सिर्फ इथेनॉल पर चलेगी कार

शुरुआत टोयोटा कैमरी से होगी, जिसे इस साल अगस्त में लॉन्च किया जाएगा

नई दिल्ली। भारत जल्द ही कारों और दोपहिया वाहनों को सिर्फ इथेनॉल-आधारित ईंधन या फ्लेक्स-फ्यूल पर चलता हुआ देखेगा, और कार्बन उत्सर्जन से निपटने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का एक मजबूत विकल्प होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि देश में जल्द ही इथेनॉल आधारित वाहन पेश किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत टोयोटा कैमरी से होगी, जिसे इस साल अगस्त में लॉन्च किया जाएगा। नागपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गडकरी ने एक बार फिर ऐसे वाहनों की आवश्यकता पर जोर दिया जो प्रदूषण को कम करने और पेट्रोल और डीजल जैसे महंगे फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) पर निर्भरता को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के अलावा वैकल्पिक ईंधन पर चल सकें।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पेट्रोल के विकल्प के रूप में हरित ईंधन के उपयोग के बहुमुखी फायदों में दृढ़ विश्वास रखते हैं। हालांकि उनका कहना है कि भारत अपने कच्चे तेल के आयात बिल को काफी कम कर सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इथेनॉल आधारित ईंधन पर स्विच करना पर्यावरण के लिए भी

फायदेमंद हो सकता है और उपभोक्ताओं के लिए कहीं ज्यादा लागत प्रभावी हो सकता है। रविवार को, गडकरी ने कहा, हम नए वाहन ला रहे हैं जो पूरी तरह से इथेनॉल पर चलेंगे। बजाज, टीवीएस और हीरो स्कूटर 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलेंगे।अपने भाषण के दौरान, गडकरी ने एलान किया कि वह अगस्त में टोयोटा कैमरी लॉन्च करेंगे, जो भारत की पहली कार होगी जो पूरी तरह से इथेनॉल पर चलने में सक्षम होगी। गडकरी ने कहा कि यह लग्जरी सेडान 40 फीसदी बिजली भी पैदा करने में सक्षम होगी।भारत का लक्ष्य 2025 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य हासिल करना है। केंद्र द्वारा वैकल्पिक ईंधन पर भरोसा करने का एक प्रमुख कारण पेट्रोल और डीजल की बढ़ती लागत है। पिछले कुछ वर्षों में कई बढ़ोतरी के बाद, दोनों पारंपरिक ईंधन की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। गडकरी का मानना है कि इथेनॉल उन लोगों के लिए एक समाधान प्रदान करता है जो अभी तक इलेक्ट्रिक वाहन नहीं अपनाना चाहते हैं। मंत्री जी ने कहा, अगर आप इसकी तुलना पेट्रोल से करेंगे तो इथेनॉल का रेट 60 रुपये है जबकि पेट्रोल का रेट 120 रुपये प्रति लीटर है। साथ ही यह 40 फीसदी बिजली पैदा करेगा। औसत 15 रुपये प्रति लीटर होगा। इथेनॉल मूल रूप से ईथाइल अल्कोहल है जो गुड़, अनाज और कृषि में बचे हुए सामान से बनाया जाता है। आईसीआरए के एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत में वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए इथेनॉल मिश्रण और इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाना साथ-साथ चलेगा, जो कुल उत्सर्जन में 15 प्रतिशत का योगदान देता है।

सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन 18 महीने में

नई दिल्ली । केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिकी कंपनी माइक्रॉन टेक्नोलॉजी गुजरात में अपनी सेमीकंडक्टर सुविधा स्थापित करेगी। वैष्णव ने कहा कि संयंत्र से पहली मेड-इन-इंडिया सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन 18 महीनों में यानी दिसंबर 2024 में किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि गुजरात में माइक्रॉन टेक्नोलॉजी की ओर से स्थापित संयंत्र अत्याधुनिक होगा और भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि माइक्रॉन दुनिया भर में मोबाइल, लैपटॉप, सर्वर, रक्षा उपकरण, कैमरा, इलेक्ट्रिक वाहन, ट्रेन, कार और दूरसंचार उपकरणों में उपयोग में होने वाले सेमीकंडक्टर का निर्माण करने वाली पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी है। वैष्णव ने आगे कहा कि देश ने पिछले चार दशकों में सेमीकंडक्टर तकनीक विकसित करने का प्रयास किया है। इससे करीब दो दिन पहले सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि माइक्रॉन द्वारा भारत में संयंत्र स्थापित करने के लिए ताजा निवेश प्रस्ताव से भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। चंद्रशेखर ने कहा कि इससे 5,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और 500 नई हाई-एंड इंजीनियरिंग नौकरियां पैदा होंगी।

उन्होंने कहा, पिछले 18 महीनों में, भारत ने सेमीकंडक्टर उद्योग में काफी प्रगति की है। अमेरिकी कंपनियों की घोषणाओं से भारत में स्टार्टअप को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी।

बता दें कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय अमेरिका यात्रा के दौरान माइक्रॉन टेक्नोलॉजी के सीईओ संजय मेहरोत्रा से मुलाकात की थी और उन्हें भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया था। जिसके कुछ घंटों बाद माइक्रॉन ने 82.5 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ गुजरात में एक नई असेंबली और परीक्षण सुविधा बनाने की अपनी योजना की घोषणा की। इस सुविधा का उद्देश्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करना है। माइक्रॉन ने कहा कि नई असेंबली और परीक्षण सुविधा का निर्माण 2023 में चरणों में शुरू होने की संभावना है। 5,00,000 वर्ग फुट जगह के साथ परियोजना का पहला चरण 2024 के अंत में चालू हो जाएगा।

कंपनी ने कहा कि उसे भारत सरकार से कुल परियोजना लागत के लिए 50 प्रतिशत राजकोषीय सहायता और गुजरात सरकार से कुल परियोजना लागत का 20 प्रतिशत प्रोत्साहन मिलेगा। माइक्रॉन ने आगे कहा कि दोनों चरणों में कंपनी और दो सरकारी संस्थाओं की ओर से कुल संयुक्त निवेश कुल 2.75 बिलियन डॉलर होगा।

इन दिनों

✍ जे के सिंह

दोराहे पर खड़ी ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी इन दिनों सियासत के दोराहे पर खड़ी हैं। एक तरफ बंगाल को कांग्रेस और भाजपा मुक्त बनाने की उनकी जिद है तो दूसरी तरफ कांग्रेस की अगुवाई में बनने वाले मोर्चा में शामिल होने की ख्वाहिश, बेहतर होगा इसे मजबूरी भी कह लें, भी है। अब यह देखना होगा कि ममता बनर्जी कांग्रेस के कितना पास और कितना दूर हैं? कर्नाटक चुनाव का परिणाम आने से पहले के परिदृश्य पर अगर गौर करें तो इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि कांग्रेस और ममता बनर्जी के बीच फासला बहुत ज्यादा था। राहुल गांधी पर फिकरा कसते हुए उन्होंने कहा था कि भाजपा के लिए सबसे बड़ी टीआरपी तो राहुल गांधी ही हैं। कर्नाटक चुनाव का नतीजा आने के बाद परिदृश्य बहुत बदल गया। पहले तो ममता बनर्जी सवाल करते हुए कहती थीं कांग्रेस, कहां है कांग्रेस? उन्होंने गोवा के लुई फेलेरियो, त्रिपुरा के पीजुसी कांति विश्वास और मेघालय के मुकुल संगमा जैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को तोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल कर लिया था। ये अपने साथ काफी समर्थक भी ले आए थे। तृणमूल कांग्रेस ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार भी खड़े किए थे। मजे की बात यह है विधानसभा चुनाव के बाद ये वापस भी चले गए थे। राहुल गांधी ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ममता बनर्जी ने भाजपा को फायदा पहुंचाया था। इसकी सफाई देते हुए ममता बनर्जी ने कहा था कि राष्ट्रीय दल की हैसियत बनाए रखने के लिए उन्होंने ऐसा किया था। पर हाल ही में एक उपचुनाव में जीत कर आए एकमात्र कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को उन्होंने तृणमूल कांग्रेस में शामिल कर लिया और कांग्रेस विधानसभा में फिर शून्य हो गई। कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने इसकी तीखी निंदा की थी। जाहिर है कि ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या कांग्रेस इन जख्मों को भुला पाएगी, जब कांग्रेस सहित विपक्षी सांसद मोदी सरकार का विरोध कर रहे थे तो तृणमूल कांग्रेस के सांसद दूरी बना कर रखते थे। यह सच है की राजनीति में कोई स्थाई शत्रु या मित्र नहीं होता है। पर यह भी सच है कौन कितना फायदेमंद है इसे तो राजनीति की तराजू पर ही तौल कर देखा जाएगा। इस नजरिए से अगर गौर करते हैं तो साफ दिखता है कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस एवं वाम मोर्चा और तृणमूल के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। क्या 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और वाम मोर्चा के नेता तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी के साथ मंच साझा कर पाएंगे? क्या कांग्रेस, वाम मोर्चा के नेताओं का साथ गंवाने का जोखिम उठा सकती है? क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी उन संसदीय सीटों को छोड़ने के लिए तैयार हो जाएंगी जिन-जिन पर भाजपा के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है? बायरन विश्वास के हश्र के बाद यह उम्मीद नामुमकिन ही लगती है। पश्चिम बंगाल की मौजूदा राजनीतिक हालत के मद्देनजर अगर कांग्रेस को वाममोर्चा और तृणमूल में से किसी एक को चुनना है तो कांग्रेस क्या फैसला लेगी? जाहिर है कि उनके लिए 2024 के पहले सेमीफाइनल में कौन कितना फायदा दे सकता है इस पर गौर किया जाएगा।

पहले दिन ही कई स्कूल बने डबरी, कहीं जर्जर भवन तो कहीं छत ही नहीं

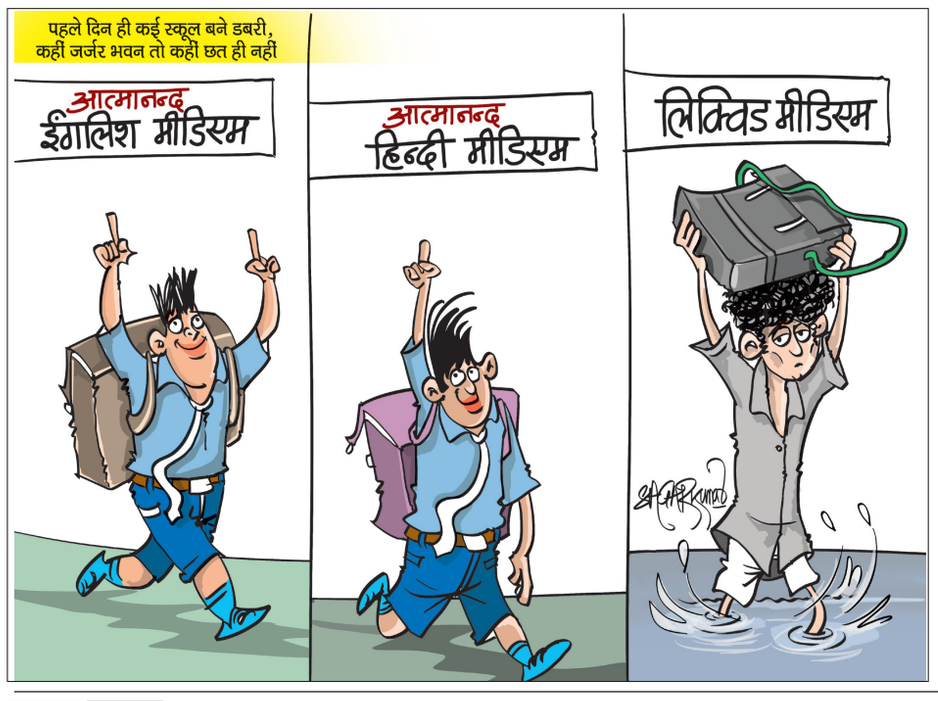

बेरोजगारी के खिलाफ 25 से ज्यादा संगठन करेंगे आंदोलन

■ एक वोट-एक रोजगार मुहिम होगी शुरू

नई दिल्ली। देश में बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए 25 से ज्यादा संगठनों ने 9 जुलाई को जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन का एलान किया है। इसी दिन केंद्र सरकार का बेरोजगारी की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए और उस पर ठोस नीति बनवाने के लिए एक वोट एक रोजगार आंदोलन की मुहिम शुरू की जाएगी। युवा हुंकार के संस्थापक और इस आंदोलन के अगुवा डॉ. संत प्रकाश का कहना है कि देश के एक प्रतिशत लोग जो कि देश के संसाधनों का सर्वाधिक उपयोग करते हैं यदि अपनी आय का कुछ हिस्सा बढ़ाकर %कर% के रूप में देश के कोष को दे दें तो एक वोट पर एक रोजगार की बात को आसानी से साकार किया जा सकता है। केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए तत्काल कानून बनाकर अमली जामा पहनाया जाना चाहिए।

हाल में इसी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर 25 जून को दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित एन.डी. तिवारी भवन में एक बैठक हुई थी। इसमें न्यूनतम वेतन की गारंटी, समान काम के लिए समान वेतन की मांग के साथ 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को सम्मानजनक पेंशन की भी मांग पर चर्चा की गई। बैठक में कई युवा एवं नागरिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

इनमें देश के आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जमात ए उलेमा ए हिंद द्वारा स्थापित सद्भावना मंच के राष्ट्रीय संयोजक जावेद सिद्दीकी कासमी ने बेरोजगारी को देश के लिए अभिशाप माना तथा उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग करने वाले इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया। लोक शक्ति अभियान के दिल्ली प्रदेश के संयोजक सुशील खन्ना, नागरिक सरोकारों से जुड़ी माही सिंह, मोहिन्दर सिंह, ज्योत्सना शर्मा, जतिन भल्ला, शशांक यादव, शकुंतला, प्रकाश कुमार, नाजमा, दीपक धोलकिया, दिल्ली साझा मंच के संयोजक संजय कन्नौजिया, विकास सैनी एवं शुभम ने भी वोट एक रोजगार पर अपने विचार रखे और सुझाव दिए।

रोजगार गारंटी बिल का मसविदा तैयार करने के लिए युवा अर्थशास्त्री योगेश कुमार की अध्यक्षता में एक कमेटी भी गठित की गई। इस बैठक में एक वोट एक रोजगार के संवैधानिक पक्ष पर युवा अर्थशास्त्री योगेश कुमार ने विस्तृत चर्चा की। वहीं जनाधिकार संघर्ष अभियान के संयोजक एवं शिक्षाशास्त्री अश्विनी कुमार सुकरात ने इस संदर्भ अपने सुझाव दिए।

प्रमुख समाचार

ऑनलाइन धर्मांतरण मामला, मुख्य आरोपी भेजा गया जेल

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर। गेमिंग एप के द्वारा धर्म परिवर्तन करने के आरोपी शाहनवाज उर्फ बद्दो की सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा अदालत में पेशी हुई। अगली सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख नियत कर दी गई है। मामले के विवेचक एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया बद्दो की पुलिस कस्टडी रिमांडसोमवार 26 जून 2023 सुबह 11 बजे तक की थी। पुलिस द्वारा पीसीआर पूर्ण करते हुए शाहनवाज को पहले ही जेल भेज दिया गया। सुबह लगभग 10ः00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा पीसीआर समाप्त कर दी गई। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा पुलिस कस्टडी रिमांड में मिली जानकारी के सारे तथ्यों को संलग्न कर उसकी पूरी विवेचना करने के बाद चार्जशीट अदालत में लगभग 10 से 15 दिनों में दाखिल किए जाने की संभावना है। गाजियाबाद के एक उद्यमी के बेटे का गेमिंग के जरिये धर्मांतरण कराने के मुख्य आरोपी शाहनवाज उर्फ बद्दो की सोमवार को पुलिस कस्टडी रिमांड समाप्त हो गई।

ओवैसी की रैली में औरंगजेब के समर्थक में नारे

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा संबोधित एक रैली के दौरान मुगल सम्राट औरंगजेब के महिमामंडन वाले नारे लगाने के आरोप में पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो और ऑडियो क्लिप का संज्ञान लिया और रैली में मौजूद पुलिसकर्मियों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख ओवैसी ने शनिवार शाम को मलकापुर शहर में रैली को संबोधित किया था। अधिकारी ने एफआईआर के हवाले से बताया कि उनके भाषण के दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने औरंगजेब का महिमामंडन करते हुए नारे लगाए।

बीआरएस के डेढ़ दर्जन नेता कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति के एक दर्जन से अधिक पूर्व विधायक, मंत्री और पदाधिकारी सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम राज्य में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुआ है। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी पार्टी में शामिल हुए। आज कांग्रेस में शामिल होने वाले नेताओं में पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, पूर्व विधायक पन्याम वेंकटेश्वरलु, कोरम कनकैया और कोटा राम बाबू शामिल हैं। बीआरएस एमएलसी नरसा रेड्डी के बेटे राकेश रेड्डी भी कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस के पवन खेड़ा ने कहा कि पूरे देश में बदलाव की हवा महसूस हो रही है। यह बदलाव की हवा भारत जोड़ो यात्रा से शुरू हुई, जिसका असर आपने कर्नाटक में देखा। आज तेलंगाना के कई महत्वपूर्ण नेता कांग्रेस पार्टी से जुड़ रहे हैं।

पति की संपत्ति में हिस्सेदार है हाउसवाइफ- मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि एक पत्नी अपने पति द्वारा खरीदी गई संपत्ति में बराबर हिस्सेदारी की हकदार है और कहा कि उसके द्वारा निभाई गई कई भूमिकाओं को पति की 8 घंटे की नौकरी से कम नहीं आंका जा सकता है। न्यायमूर्ति कृष्णन रामासामी ने हाल ही में एक संपत्ति विवाद पर आदेश दिया, जिसमें मूल अपीलकर्ता, शामिल थी, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने संपत्ति पर स्वामित्व का दावा किया, साथ ही आरोप लगाया कि वह विवाहेतर संबंध में भी शामिल थीं। बाद में उनकी मृत्यु के बाद उनके बच्चों को मामले में शामिल किया गया। प्रतिवादी महिला एक गृहिणी है, हालांकि उसने कोई प्रत्यक्ष वित्तीय योगदान नहीं दिया, लेकिन उसने बच्चों की देखभाल, खाना बनाना, सफाई करना और परिवार के दैनिक मामलों का प्रबंधन करके घरेलू कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भवन गिराने के मामले में विहिप नेताओं पर एफआईआर

कानपुर। कानपुर देहात के अकबरपुर क्षेत्र में एक निर्माणाधीन भवन की दीवार को गिराने और वहां हंगामा करने को लेकर पुलिस ने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) सहित कई हिंदुवादी संगठनों के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है। अकबरपुर थाने के प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि शनिवार को तहसीलदार रणविजय सिंह द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर 70-80 अज्ञात लोगों के अलावा बजरंग दल के जिला संयोजक (कानपुर देहात) गौरव शुक्ला सहित 13 लोगों को नामजद करते हुए मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सिंह ने बताया कि तहरीर में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारियों ने फर्नीचर और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने के अलावा अस्थायी टिन-शेड और एक नवनिर्मित दीवार को गिरा दिया। उन्होंने बताया कि तहरीर में आरोपियों पर तहसीलदार रणविजय सिंह तथा मौके पर मौजूद अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया गया है।

शिमला में खरगे के सामने विपक्षी दलों की संख्या बढ़ाने की चुनौती

शशिधर पाठक

पटना से लौटकर विपक्ष के नेता अब 14 दिन बाद शिमला में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में दूसरी बैठक की तैयारी में हैं। बैठक में विपक्षी दलों से एकजुटता बनाए रखने में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोशिश जारी रखेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने इस बैठक के 10 से 12 जुलाई के बीच होने की घोषणा की है। विश्वस्त सूत्रों को लग रहा है कि अगली बैठक में 13-14 दलों के नेता जुट सकते हैं। बताते हैं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपनी शर्त के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कांग्रेस के समर्थन के बहाने जहां विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं, वहीं दिल्ली के वरिष्ठ नेता अजय माकन भी

नहीं चाहते कि अरविंद केजरीवाल को बहुत भाव दिया जाए। माकन ने तो बाकायदा प्रेस वार्ता में कह दिया कि केजरीवाल ने पटना में विपक्षी एकता को खंडित करने के लिए जो किया, इसके पीछे की उनकी सोच जेल जाने से बचने की थी।

माकन का यह आरोप केजरीवाल के उस आरोप का सीधा जवाब था, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े आध्यादेश के मामले में भाजपा और कांग्रेस के बीच गुप्त समझौता है। सवाल केवल अजय माकन का नहीं है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल इस समय पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की आवाज समझे जाते हैं। वेणुगोपाल ने भी पटना और पटना के बाद केजरीवाल की राजनीतिक शैली पर बड़ा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कनपटी पर बंदूक रखकर आप अपनी बात नहीं मनवा सकते। दोनों दलों में अभी आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐसे तमाम बयानों की याद दिलाई है, जिसमें आम आदमी पार्टी के नेता ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है।

कांग्रेस के नेता यही संकेत दे रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता जरूरी है, लेकिन यह आम आदमी पार्टी की दबाव की राजनीति के तर्ज पर नहीं हो सकती। पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री का कहना है कि राजस्थान में केजरीवाल जाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट की आलोचना करते हैं और उन्हें कांग्रेस का सहयोग भी चाहिए। कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय में नेताओं का कहना है कि गोवा विधानसभा चुनाव के राजनीतिक परिणाम कुछ और होते। सच्चाई यह है कि आम आदमी पार्टी ने कुछ चुनाव तो केवल कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने के लिए लड़ा है। अभी भी वह इसी राजनीति का सहारा लेकर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी का सचिवालय इस मामले में फूंक-फूंककर कदम रख रहा है।

कांग्रेस पार्टी के सूत्र कहते हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अध्यादेश वाले मामले में स्थिति स्पष्ट कर दी है। इस पर निर्णय संसद के मानसून सत्र के दौरान सहयोगी दलों के साथ चर्चा में होगा। वैसे भी मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह के आस-पास आरंभ होकर एक महीने चलता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि शिमला और पटना में फर्क है। वहां होने वाली बैठक में भी फर्क दिखाई दे सकता है।

विपक्ष की प्रयोगशाला में कई परीक्षण हुए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजनीतिक गंभीरता और परिपक्वता की पूरी चतुराई दिखाई। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की छाया बने रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चाहते थे कि वह मुख्यमंत्री आवास पर पहले आएं। फिर सदाकत आश्रम जाएं, लेकिन कांग्रेस के नेता पहले सदाकत आश्रम गए और कांग्रेस नेताओं की भीड़ ने उन्हें उत्साहित किया। जब राहुल गांधी को नीतीश कुमार ने पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया, तो राहुल ने माइक मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ बढ़ा दिया। बैठक में लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी को दूल्हा बनाने का अपने अंदाज में जिक्र छेड़ा। राजनीति में इसे 2024 के दूल्हे के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन कांग्रेस के नेता ने खुद को संतुलित बयान तक सीमित रखा और भाजपा को भी कोई अवसर नहीं दिया। जद(यू) और नीतीश कुमार के बेहद करीबी सूत्र का कहना है कि पटना की बैठक तृणमूल कांग्रेस की सलाह पर हुई। लेकिन शिमला की बैठक कांग्रेस के वीटो पर हो रही है। यह पटना में बैठक में आए 14 दलों के नेताओं की सहमति से हो रही है। इसमें एनसीपी, राजद, जद(यू), झामुमो, शिवसेना(यूटीबी), डीएमके, वामदल, समाजवादी पार्टी, एनसी, पीडीपी, तृणमूल समेत अन्य की सहमति है। माना जा रहा है कि इस बैठक में विपक्षी एकता का भविष्य का फार्मूला एक आकार ले लेगा।

75 पार के लक्ष्य के साथ कांग्रेस का परचम लहराना है: मरकाम

■ भूपेश सरकार के काम और कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनायेंगे : डॉ. लक्ष्मी

नगरी। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में सभी विधानसभाओं में हैं तैयार हम विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को ओसवाल भवन नगरी में भी सिहावा विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षित योगेश कुर्मी ने जोन स्तर पर किस तरह कार्य करना है। कैसे बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओ को जोड़ना है। किस तरह भूपेश बघेल के कार्यों को आम जनता तक पहुंचाना है।सेक्टर में किस तरह, ग्राम में किस तरह महिला-पुरुष, युवक-युवतियों को जोड़ना है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए शादाब खान ने कांग्रेस की स्थापना कैसे हुई और कांग्रेस ने देश के लिए क्या क्या कार्य किए। किस तरह अंग्रेज देश को खोखला कर चले गये थे। उसे वापस कांग्रेस ने किस तरह सक्षम किया। देश को फिर से मजबूत करने कांग्रेस के नेता अपनी कुर्बानी दी, तब कहीं जाकर आज भारत देश के नागरिक स्वतंत्र होकर खुली सांस ले रहे, जो हमारे कांग्रेस के पूर्वज व देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की देन है।

आज हमें अपने देश को और संपन्न व सक्षम करने फिर से कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने का समय है।

उक्त कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल होकर प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और अब की बार 75 पार के लक्ष्य को हासिल करने एकजुट होकर काम करने निर्देश दिया।

श्री बघेल ने कहा कि हमारी सरकार राजीव गांधी किसान न्याय योजना,गोधन न्याय योजना, भूमिहीन कृषक मजदूर न्याय योजना जैसे महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से किसानों और मजदूरों को सक्षम बनाने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, तीज - त्यौहारों,पारंपरिक खेलों, व्यंजनों को सहेजने का काम कर रही है।

सिहावा विधानसभा स्तरीय शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिहावा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 56 के विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव ने की।

सिहावा विधानसभा के चारों ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी, बेलरगांव,मगरलोड एवं कुकरेल से आए हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोहन मरकाम ने कहा कि पिछली विधानसभा में हमने सिहावा को जीता था और कुरूद, धमतरी हारे थे। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में जिले की तीनों विधानसभा में कांग्रेस का परचम लहराना है।

श्री मरकाम ने कहा कि शिविर के माध्यम से लोकसभा और विधानसभा के लिए हम अपने कार्यकर्ताओं को तैयार कर रहे है।भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है इसलिए कांग्रेस सरकार को बदनाम करने झूठ का सहारा ले रहे है। इनके सच्चाई को आम जनता के सामने लाने कार्यकर्ता तैयार हो जाए।

सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के भूपेश सरकार के काम और कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनायेंगे और अब की बार 75 पार के लक्ष्य को भी हासिल करेंगे।

डॉ.लक्ष्मी ने आगे कहा कि भाजपा ने 15 सालों तक हर वर्ग का दमन और शोषण किया। और जमकर भ्रष्टाचार कर प्रदेश को लूटकर खोखला बना दिया।

भाजपा आज मुद्दाविहीन पार्टी बन कर रह गई है। उनके पास आम जनता को रिझाने कोई मुद्दा नहीं है इसलिए झूठ और अफवाह फैला कर प्रदेश सरकार को बदनाम करने साजिश कर रहे है। हमारे कार्यकर्ता इनके झूठ और अफवाह के सच को आम जनता के सामने लाने तैयार हो जाएं।

इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी बिरेश ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष गण भूषण साहू, कैलाश प्रजापति, डिहू राम साहू, अखिलेश दुबे, पीसीसी सदस्य लखन लाल ध्रुव, पीसीसी सचिव शोभी राम नेताम, जिला पंचायत सदस्य मनोज साक्षी,मीना बंजारे, जनपद सदस्य उमेश देव, वरिष्ठ कांग्रेसी कैलाश जैन, भानेंद्र ठाकुर, करण चंद्राकर, जावेद मेमन, शिव सिंह परिहार, अंजोर निषाद, चंद्रकला नेताम, राजू सोम, रामप्रसाद मरकाम, कमलेश मिश्रा, रुद्र प्रताप नाग, राजेन्द्र सोनी, शकुन्तला ठाकुर, सविता सोन, विमला मरकाम, अनुसुइया साहू, नरेश छैदेहा, पेमन स्वर्णबेर, जियाउद्दीन रिजवी, टिकेश्वर ध्रुव, रिजवान मेमन, सोनू चौहान, नदीम अली, तेजेन्द्र भट्ट, प्रदीप सोन,अंकुश देवांगन, आदित्य ठाकुर, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिहावा विधायक ने किया सामुदायिक भवन का लोकार्पण

नगरी। ग्राम पंचायत नवागांव (सांकरा) के खमनापारा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के करकमलों से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक ने ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार गांव गरीब, किसान और मजदूरों के हित को ध्यान में रखकर लगातार काम कर रही है। प्रदेश सरकार की न्याय योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ें है।

विधायक डॉ ध्रुव ने आगे कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार बीते 9 सालों में हर मोर्चे पर विफल रहीं है ना महंगाई कम हुई, ना युवाओं को रोजगार मिला। जीएसटी और नोटबंदी से लोग उभर नहीं पाए है। उक्त कार्यक्रम में ऋषि ओटी सरपंच ग्राम पंचायत नवागांव (सांकरा), भगवान सिंह नेताम अध्यक्ष आदिवासी गोड़वाना समाज महामाई फरसियां, मीना बंजारे सदस्य जिला पंचायत धमतरी, लखन लाल ध्रुव पीसीसी सदस्य, भूषण साहू अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी, वरिष्ठ कांग्रेसी कैलाश बिसेन, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रताप नाग, मंडी सदस्य राजेन्द्र सोनी, परदेशी राम कुंजाम, दिलीप मरकाम, धनेश मरकाम, लक्ष्मी नारायण मरकाम, सोहन मरकाम, प्रभु राम नेताम, जवाहर लाल मरकाम, भूपेन्द्र कुंजाम, मोतीलाल दिवाकर, अमरू नेताम, सेवती बाई मरकाम सहित समस्त वार्ड पंच और ग्रामवासी काफी संख्या में उपस्थित थे।

जन सुविधाओं को ध्यान में रखकर उसको पूरा करना एक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य होता है: रंजना

■ संघर्ष के दौर में नए कीर्तिमान विधायक रंजना साहू ने स्थापित किए हैं : भगत यादव

■ नवीन ग्राम पंचायत अंगारा में विधायक रंजना साहू ने किया साहू समाज समाजिक भवन निर्माण का भूमिपूजन

धमतरी। अंगारा माई के धरा पर निरंतर क्षेत्र विकास के लिए विधायक रंजना साहू कार्य करती आई है, पुन: नवीन ग्राम पंचायत अंगारा में विधायक की अनुशंसा से स्वीकृत साहू समाज के लिए समाजिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रंजना डीपेंद्र साहू शामिल होकर हुईं, जहां पर समस्त जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति में विधायक के करकमलों से भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम साहू समाज की आराध्य देवी भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना किया गया। साहू समाज के द्वारा समस्त अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर एवं चंदन का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बालाराम साहू ने बताया कि विधायक रंजना साहू रे निरंतर क्षेत्र का दौरा करते हुए जन सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य करती आई है और लगभग लगभग सभी ग्रामों में उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्य कराए हैं। अतिथि उद्बोधन में विधायक रंजना साहू ने कहा कि जन सुविधाओं को ध्यान में रखकर उसको पूरा करना एक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य होता है, हमें जो दायित्व मिला उसका हम निर्वहन कर रहे हैं किंतु सामाजिक बंधुओं का भी दायित्व है कि जो भवन

निर्माण होगा उसका सदुपयोग करते हुए सभी समाज को सामाजिक गतिविधि के कार्यक्रमों के लिए भवन को प्रदान करें जिससे भवन निर्माण की सार्थकता सिद्ध होगी, नवीन ग्राम पंचायत अंगारा में यह पहला समुदायिक भवन निर्माण हो रहा है इसलिए इस भवन का उपयोग समय अनुसार सभी करें। पूर्व जनपद सदस्य भगत यादव ने बताया कि जनता के मध्य जाकर विधायक ने अपनी उपस्थिति निरंतर दिए, बहुत कम समय में उपलब्धियां हासिल कि है, विधायक रंजना साहू ने नए कीर्तिमान हासिल कर सबसे पहले छत्तीसगढ़ की भाजपा महिला प्रवक्ता बनी और उसके बाद छत्तीसगढ़ की विधानसभा में उत्कृष्ट विधायक चुना जाना यह विधायक की सक्रियता को दर्शाता है, विपक्ष में होते हुए संघर्ष के दौर में नए कीर्तिमान स्थापित विधायक रंजना साहू ने स्थापित किए हैं। आमदी मंडल अध्यक्ष मुरारी यदु ने निर्माण कार्य के लिए सभी को बधाई दिए। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से चिरौंजी साहू, प्रहलाद साहु अध्यक्ष परिक्षेत्र साहु समाज डोमा, गणेश्वरी साहु उपाध्यक्ष परिक्षेत्र साहु समाज डोमा, सत्यभामा साहु पुर्व सरपंच अंगारा, अभिमन्यु साहु अध्यक्ष ग्राम विकास समिति अंगारा, नरेश साहु अध्यक्ष ग्रामीण साहु समाज अंगारा, मंशा राम साहु, कुंवर सिंह साहु,जनक साहु,आनंद प्रसाद साहु, जयंत साहु,गैंदलाल गंगबेर,सोमनाथ साहु, राम भरोसा साहु, सरजु राम साहु,, आरती राम साहु आदि उपस्थित रहे।

भटगांव में शरद और मोहन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली

धमतरी। अछोटा जोन कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले सभी लिलर, अछोटा, रुद्री, सोरम कांग्रेस सेक्टरों में बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत बैठक आयोजित कर ज़ोन, सेक्टर एवं बूथ कांग्रेस में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए 21-21 सदस्यों की टीम बनाया गया है. जिला अध्यक्ष शरद लोहाना, दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड अध्यक्ष मोहन लालवानी ने सोरम सेक्टर के समस्त कार्यकर्ताओं की बैठक जोन सहप्रभारी द्वय पेखनलाल साहू, बिसेलाल साहू, जोन अध्यक्ष जीवराखन देवांगन, सेक्टर अध्यक्ष अर्जुन साहू के साथ ग्राम भटगांव में लिया बैठक में सोरम, भटगांव, बोरिदखुर्द, श्यामतराई, नवागांवखुर्द, कसावाही, डांगीममाचा, खिरगीटोला के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में संगठन की मजबूती के साथ साथ कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया में मजबूत होने, भाजपा द्वारा धार्मिक भावनाओं के आधार पर फैलाये जाने वाले अफवाह को रोकने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई. जिलाध्यक्ष शरद लोहाना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का राष्ट्रवादी पार्टी होने का दावा खोखला है दरअसल आरएसएस और भाजपा स्वाधीनता आंदोलन से गद्दारी करने वाली पार्टी है उसका कथित राष्ट्रवाद संकीर्ण और संकुचित राष्ट्रवाद है भाजपा विभाजन की राजनीति करती है जिसका मूल विचार समुदायों के बीच नफरत की दीवार खड़ी करना है यह संयोग नहीं है कि आरएसएस और बीजेपी के आराध्य माफीवीर सावरकर ने ही द्वय राष्ट्रवाद का सिद्धांत दिया था जिसके लिए जिन्ना ने उन्हें धन्यवाद कहा था और पाकिस्तान के निर्माण के लिए इस तर्क का इस्तेमाल किया था। श्री लोहाना ने आगे कहा कि कांग्रेस एक सच्ची राष्ट्रवादी पार्टी है कांग्रेस का राष्ट्रवाद सभी संस्कृतियों अलग-अलग क्षेत्र के लोगों, विभिन्न जातियों एवं धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने का सिद्धांत है। दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी ने कहा कि भाजपा के लोग कहते फिरते है कि देश को आजादी 2014 के बाद मिली है ।

एन एच के अधिकारी और ठेकेदार गुंडागर्दी करेंगे क्या: गोपाल मोदी

■ बिना मुआवजा व नोटिस के रात के अंधेरे में ग्रामीणों के घरों पर बुलडोजर चलाने का मामला

कोरबा। चाम्पा-कोरबा. कटघोरा राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए ग्राम पताढ़ी के ग्रामीणों के घरों में रात में बुलडोजर चलाने का मामला गहराता जा रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल मोदी ने पूछा है कि महत्वाकांक्षी योजना के नाम पर एन एच के अधिकारी और ठेकेदार गुंडागर्दी करेंगे क्या..?

भाजपा नेता मोदी ने कहा है कि बिना मुआवजा दिए और बगैर किसी नोटिस के रात के अंधेरे में ग्रामीणों के घर पर बुलडोजर चलाना एन एच के अधिकारी और ठेकेदार को खुद ही कटघरे में खड़ा कर रहा है। उन्होंने यह कार्रवाई दिन के उजाले में क्यों नहीं की। इस बात का उन्हें स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा है कि सभी ग्रामीण मुआवजा भुगतान के नियमों और प्रक्रिया से वाकिफ नहीं हैं। लेकिन एनएच के अधिकारी नियम प्रक्रिया को अच्छी तरह जानते हैं। मुआवजा प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों ने यदि कोई फार्म नहीं भरा है, तो एन एच के अधिकारियों और भू अर्जन अधिकारी को उन्हें नियम प्रक्रिया की जानकारी देकर उनका पालन कराना चाहिए। ना कि रात के अंधेरे में उनके घरों पर बुलडोजर चलाना चाहिए।

भाजपा नेता गोपाल मोदी ने रामपुर विधायक ननकीराम कंवर पर महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप को खारिज करते हुए कहा है कि विधायक कंवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एनएच से प्रभावित ग्रामीणों के लिए भेजी गई राशि का नियमानुसार ग्रामीणों को भुगतान कराने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि संबंधित अधिकारी भारतीय जनता पार्टी और इसके नेताओं को बदनाम करने की चेष्टा करने से बचें। यदि उन्हें राजनीति करने का इतना ही ज्यादा शौक है तो अपने पदों से इस्तीफा देकर राजनीति करें।

यहां उल्लेखनीय है कि इस मामले में रविवार 25 जून 2023 को जिला जनसंपर्क कार्यालय से एक विज्ञप्ति जारी की गई है जिसमें रामपुर विधायक ननकीराम कंवर सहित एनएच प्रभावित ग्रामीणों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके साथ ही मुआवजा भुगतान में पारदर्शिता बरते जाने का दावा किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सिरसिदा में कमलचन्द्र भंजदेव का भव्य स्वागत

नगरी। भाजपा के सिहावा विधानसभा प्रभारी बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। जहाँ उन्होंने बेलर तथा नगरी मंडल में क्रमानुसार नवागाँव, कसपुर, गिधावा, पावद्वार, सिहावा, डोंगरीपारा, सिरसिदा में आगमन हुआ। कार्यक्रम की रूप रेखा में ग्राम सिरसिदा पहुँचने पर ग्रामवासियों ने भव्य रूप से बाजा गाजा के साथ महाराजा साहब का स्वागत किया जहाँ महाराजा साहब ने सिरसिदा की स्वयंभू शीतला माता का पूजा अर्चना किए तथा जनसभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तत्वधान में 9 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के तहत मोदी सरकार की उपलब्धियाँ बताईं तथा धर्मांतरण को रोकने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव जी, जिला सह प्रभारी हलधर साहू, पूर्व विधायक पिंकी शाह, पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप, मोहन नहाटा, मंडल महामंत्री राकेश चौबे, मनोहर मनिकपुरी, मोहन पुजारी, विकल गुप्ता आदि उपस्थित थे।

उपचुनाव को लेकर भाजपा ने किया वार्ड 13 में जनसंपर्क

तिल्दा/खरोरा। खरोरा नगर पंचायत में उपचुनाव होने को हैं, जिसकी तैयारी जोरों पर हैं. ये उपचुनाव वार्ड क्रमांक 13 में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए किया जाना हैं, पूर्व में वार्ड से पार्षद थी दिवंगत श्रीमति उमा पंसारी जी. अब जब उनके ना होने पर पार्टी ने अपना नया उम्मीदवार पूरे विधि विधान से तय करते हुए पूर्णिमा धनकर जी का नामांकन दाखिल किया और इसी के चलते पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व धारसीवा विधायक देव जी भाई पटेल जी, ने इस बागडोर को संभालते हुए सभी कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड में जनसंपर्क किया.नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सोनी जी ने भी समर्थन में जनसंपर्क किया.उनके अलावा भारतीय जनता पार्टी से तिल्दा जनपद के उपाध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे जी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र ठाकुर, गुलाब टिकरिहा जी, निलंबुज चंद्राकर,दुलेश साहू, छगन यादव, विकास ठाकुर, अंजय शुक्ला, महेश नायक, अशोक सिंहा, महिला मोर्चा में रश्मि वर्मा, के साथ महिला कार्यकर्ता पदाधिकारी शामिल रहें।

आम आदमी पार्टी की समीक्षा बैठक हुई

अंडा। पाटन विधानसभा के कुम्हारी ब्लॉक में आम आदमी पार्टी की महारैली की समीक्षा बैठक पंजाब से आए टीम के सानिध्य में संपन्न हुआ विदित हो कि 2 जुलाई को साइंस कॉलेज ग्राउंड बिलासपुर में होने वाले महारैली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शिरकत करेंगे। इसी संदर्भ में रैली की तैयारी की समीक्षा पंजाब से आए टीम द्वारा छत्तीसगढ़ के पूरे 90 विधानसभा में समीक्षा बैठक लिया जा रहा है। जिसका उद्देश्य रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों को शामिल करने के लिए आमंत्रित करना और रैली को सफल बनाना है। पिछले एक माह से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता गाँव-गाँव मुहल्ले-मुहल्ले जाकर लोगों को रैली के लिए आमंत्रित कर रहे हैं और उनसे जन संवाद के द्वारा आम आदमी पार्टी के विचारधारा से अवगत करा रहे हैं। 2 जुलाई को होने वाले महारैली का उद्देश्य केन्द्र सरकार की तानाशाही और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के भ्रष्टाचार खिलाफ बिगुल फूंकेगा।

दुर्ग ग्रामीण और पाटन विस के मुस्लिमों ने मुस्लिम एकता मंच का गठन किया

दुर्ग। ग्रामीण कै चांदखान की अगवाई व हाजी शकील भाई व मुस्लिम भाइयों के मार्गदर्शन में गत दिवस मुस्लिम जमात मचांदूर, किकिरमेटा व पाटन तीनों जमात के मुस्लिम भाइयों ने किकिरमेटा के मुस्लिम भवन में दुर्ग ग्रामीण व पाटन विधानसभा के मुस्लिम भाइयों ने बैठक आयोजित कर मुस्लिम एकता मंच का गठन किया गया। बैठक में शत प्रतिशत मुस्लिम भाइयों की उपस्थिति रही। जिसमें सभी लोगों की सर्व सहमति से मंच के सभी पदाधिकारियों का चयन किया गया है। मंच का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, शादी योग्य युवक-युवतियों का विवाह गरीबों के उत्थान के लिए प्रयास करना। समाज से नशाखोरी दूर करना। सभी वर्गों से समरसता बनाए रखना। मुस्लिम एकता मंच के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के पद व नाम इस प्रकार से है। संयोजक- चांदखान,हाजी वहीद खान,कलीम मोहम्मद। संरक्षक-हाजी नबी खान हाजी इब्राहिम खान हाजी शकील खान एवं रहमुद्दीन कुरैशी हैं।

आत्मानंद स्कूलों में संविदा भर्ती में गड़बड़ी की जांच के लिए कमेटी गठित

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के अंतर्गत संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूलों में संविदा भर्ती में गड़बड़ी व नियुक्ति और पदस्थापना के लिए लेनदेन शीर्षक से प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए जांच कमेटी गठित किया है। कलेक्टर ने जांच कमेटी गठित करते हुए अधिकारियों को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देशित किया है। गठित कमेटी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव श्री अमित कुमार को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मोहला डॉक्टर हेमेंद्र भूआर्य एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा, राजनांदगांव श्री सतीश ब्यौहरे को सदस्य नियुक्त किया गया है। गठित समिति के द्वारा समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों की बिंदुओं एवं उनकी सत्यता की जांच करते हुए जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

विधायक लक्ष्मी ध्रुव ने सिहावा विधानसभा में विकास को दी गति

नगरी। सिहावा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 56 की विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव ने अपने कार्यकाल में अरबों रूपए के विकास कार्यो की मंजूरी दिलवाकर नगरी, सिहावा, मगरलोड क्षेत्र में विकास की गति बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें शासन के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किसान, हितग्राही, पट्टाधारी, सड़के, भवन, स्कूल भवन, गौठान, शौचालय निर्माण, जनजीवन मिशन के कार्य, पुल पुलिया, मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान निधि शामिल हैं।

सिहावा क्षेत्र में कुल धान खरीदी 1698129.23 क्विंटल में भुगतान 100772.85 लाख रूपए, मुख्यमंत्री द्वारा सिहावा विधानसभा अन्तर्गत दौरा, भेंट मुलाकात, वर्चअल, विडियो कान्फेस से की गई घोषणा 18368.74 लाख है। राजीव किसान न्याय योजना से 23980.89 लाख रूपए प्रदान किये गए। जिसमें लाभान्वित किसान 94262 है। किसानों का कर्जमाफी

3920.86 लाख रूपए जिसमें लाभांन्वित किसानों की संख्या 18632 है। सांकरा में नवीन विद्युत वितरण केन्द्र की स्थापना से लाभान्वित ग्राम 41 तथा कुल उपभोक्ता 6600 को फायदा हुआ है। बिजली बिल हॉफ योजना से 95973 उपभोक्ताओं का कुल 9.79 करोड़ की छूट प्रदान की गई है। कृषि पम्प एवं जीवन ज्योति अंतर्गत 20420 उपभोक्ताओं के कुल 6.56 करोड़ की छुट मिली। सिंचाई कर्ज माफी योजना से 127 ग्रामों के 23416 किसानों का 169.939 लाख रू. का कर्जमाफ हुआ। सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र - 55, सामुदायि वन अधिकार मान्यता पत्र 1281तथा व्यक्तिगत वन अधिकार मान्यता पत्र 9846 हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 7 सड़क का निर्माण , मेनरोड से सिंगपुर, रानीगांव से मल्हारी, सिरसिदा से सिहावा, डोगरडुला से राजपुर परसवानी, बटनहर्रा, घोटगांव, सिहावा चर्रा से गढडोंगरी, मगरलोड मेनरोड से बनियातोरा सोनपैरी, गट्टासिल्ली से करैहा भनसुली, गट्टासिल्ली से गोहाननाला तथा केन्द्र परिवर्तित नाबार्ड योजना से 12.36 करोड़ से घठुला-पोडागांव-बिरनासिल्ली कैम्प तक पक्की सड़क की मंजूरी मिली है।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना से 76 कार्य में 433.12 लाख रू. से 4 रंगमंच, 5 सामुदायिक भवन, 54 सीसी सड़क एवं 13 अन्य कार्य हुए। विधायक निधि से 203 कार्य हेतु 971.82 लाख रू. से 49 रंगमंच, 50 सामुदायिक भवन, 10 सी.सी. सड़क 28 पानी टैंकर एवं 68 अन्य कार्य किये गए। मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण से 98 कार्य हेतु 595.70 लाख रू. में 11 रंगमंच, 19 सामुदायिक भवन, 23 सी.सी. सडक, 45 अन्य कार्य, नवीन आंगनबाड़ी भवन का निर्माण 55, अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण से 18 कार्य 90.50 लाख रु. से, जिला खनिज न्यास निधि से 11 कार्य 142.54 लाख रू. से, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण से 5 कार्य 31.58 लाख रू. से, स्कूल शिक्षा मद से 35 कार्य 293.64 लाख रु. से, आर.एम.एस.ए. मद से 19 कार्य 182.70 लाख रू. से, स्वच्छ भारत मिशन योजना से 71 कार्य 179.00 लाख रु. से, नगरीय निकाय में मूलभूत अधोसंरचनाओं का कार्य 463.39 लाख रू. से कराए गए। इसी प्रकार नगर पंचायत नगरी बांधा तालाब का गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य 164 लाख रू. से, मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना से 27 कार्य 231.65 लाख रु. से, गौठान निर्माण 150 कार्य 1457.49 लाख रू. से, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सार्वजनिक शौचालय निर्माण 206 कार्य 608.91 लाख रू मंजूर हुआ से,

प्रधानमंत्री की योजनाएं जन जन तक पहुंचा जिससे हुआ जनहित का विकास: डीपेंद्र

■ डीपेंद्र साहू सहित भाजपाइयों ने चलाया ग्राम देमार में घर घर जनसंपर्क अभियान, गिनाई मोदी की उपलब्धियां

धमतरी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 साल बेमिसाल रहा, जहां सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के पथ पर चलकर भाजपा के केंद्र सरकार ने सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए निरंतर कार्य करते हुवे जनता की सेवा कर रहे है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे घर घर जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा नेता डीपेंद्र साहू ग्राम देमार में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ गांव के घर घर में जाकर केंद्र सरकार के सभी योजनाओं की जानकारी देते हुवे देश के यशवी प्रधानमंत्री मोदी जी की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाया गया।

डीपेंद्र साहू ने बताया कि मोदी जी ने जनता की सेवा का संकल्प लेकर निरंतर देशवासियों की सेवा करते हुवे 9 साल में स्वर्णिम इतिहास जनहित के लिए कार्य किए है। नए भारत के निर्माण करते हुए देश को विश्वगुरु बनाने केंद्र की मोदी सरकार विश्व पटल पर स्थापित हो रहा है, आज पूरा विश्व भारत की अर्थव्यवस्था पर केंद्रित हो रहा है। घर-घर जनसंपर्क अभियान अंतर्गत डीपेंद्र साहू सहित भाजपा वरिष्ठ जन सेवा निवृत्त प्रधान पाठक लक्ष्मेंद्र विश्वकर्मा एवं वरिष्ठ किसान गुमान साहू के घर बैठकर प्रधानमंत्री जी के 9 साल बेमिसाल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के विषय पर विशेष चर्चा किए एवम 2024 में पुन: भाजपा की सरकार बनाने में सहयोग करने निवेदन किए। घर-घर जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत पूर्व उपसरपंच बसंत परदेशी मीनपाल, सहसंयोजक महेश्वर साहू, भाजपा वरिष्ठ शितकुमार साहू आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी आज मध्यप्रदेश के दौरे पर रहेंगे

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 जून 2023 को मध्य प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। सुबह करीब 10:30 बजे प्रधानमंत्री रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे और पांच वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर करीब 3 बजे शहडोल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही वह रानी दुर्गावती का सम्मान करेंगे, सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का शुभारंभ करेंगे और आयुष्मान कार्डों के वितरण की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री शहडोल जिले के पकरिया गांव भी जायेंगे। प्रधानमंत्री भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में पांच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। ये पांच वंदे भारत ट्रेनें हैं= रानी कमलापति-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस; खजुराहो-भोपाल-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस; मडगांव (गोवा)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस; धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस; और हटिया-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस।

5-7 वर्षों में सभी एमसीडी स्कूल का कायाकल्प करेंगे

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सरकारी स्कूलों में सुधार करके शहर की शिक्षा प्रणाली में अमीर और गरीब के बीच के अंतर को पाट दिया है। उन्होंने अगले पांच से सात वर्षों में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सभी स्कूलों के पुनर्विकास का वादा किया। वह लिबासपुर गांव में सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा, पहले दिल्ली में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब हुआ करती थी। कक्षाएं तंबू के अंदर संचालित की जाती थीं, स्कूलों की छतें टूटी हुई थीं। वहां शौचालय या पीने के पानी तक की कोई व्यवस्था नहीं थी। गरीब परिवार अपने बच्चों को ऐसे स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर थे, लेकिन 'आप' सरकार ने दिल्ली की शिक्षा प्रणाली में अमीर और गरीब के बीच के अंतर को पाट दिया।

भाजपा के डबल इंजन जल्द ही गायब हो जाएंगे: ममता बनर्जी

कोलकाता। पंचायत चुनाव को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है। वार-पलटवार का दौर भी लगातार जारी है। इन सबके बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी के पक्ष में लगातार प्रचार करने में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में आज कूचबिहार पहुंची थीं। कूचबिहार में उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को बेचना चाहती है। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुत बुरी तरीके से हार जाएंगे। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी ने गठबंधन को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। कूचबिहार में ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा देश को बेचना चाहती है। उनके डबल इंजन जल्द ही गायब हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे राज्य के पंचायत चुनावों में अपना पहला इंजन और 2024 के लोकसभा चुनावों में दूसरा इंजन खो देंगे।

वक्त बताएगा कि वो फोटोशूट था या नहीं : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक को लेकर राजनीतिक वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। भाजपा और नरेंद्र मोदी के खिलाफ 15 से अधिक विपक्षी दलों ने पटना में एकजुटता दिखाई है। पटना के बैठक में इस बात का निर्णय लिया गया कि सभी एक साथ चुनाव लड़ने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, भाजपा विपक्षी दलों की बैठक को लेकर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। भाजपा का कहना है कि यह बैठक नहीं बल्कि एक फोटो सेशन था। इसी को लेकर उमर अब्दुल्ला का भी पलटवार आया है। उमर अब्दुल्ला ने साफ तौर पर कहा कि वक्त बताएगा कि यह फोटो सेशन था या नहीं था। अपने बयान में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वक्त बताएगा कि वो फोटोशूट था या नहीं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक के बारे में बात करने के लिए मजबूर हो गए, इससे इस बैठक की कामयाबी का सबूत मिलता है। उन्होंने कहा कि जो भी चुनाव होगा उसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जाएगा।

फडणवीस के बयान पर ओवैसी का पलटवार

नईदिल्ली। महाराष्ट्र में असदुद्दीन ओवैसी द्वारा आयोजित एक रैली में क्रूर मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा किए जाने की खबरों के बाद, एआईएमआईएम अध्यक्ष ने फर्जी खबर बताने वाले समाचार आउटलेट्स पर मुकदमा करने की धमकी दी है। सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा सरकार ने इस तरह की नारेबाजी पर कड़ी आपत्ति जताई है। यह रैली शनिवार शाम को बुलढाणा जिले के मलकापुर में हुई। ओवैसी ने कि रैली में पुलिस मौजूद थी। आप (चैनल) झूठ प्रसारित कर रहे हैं। आप मुसलमानों से कितनी नफरत करेंगे? मैं आपके खिलाफ मामले दर्ज करूंगा। बता दें कि औरंगजेब के नारे वाली खबर आने के बाद इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि मानसिकता उजागर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि औरंगज़ेब के ऐसे बेटे कैसे पैदा हुए... ये लोग कौन हैं?... इन लोगों के पीछे कौन है?... इन सभी सवालों का जवाब जल्द ही दिया जाएगा।

भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा, भारत ताकतवर बनता जा रहा है : राजनाथ सिंह

मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई

जम्मू। पाकिस्तान को परोक्ष रूप से चेतावनी देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत ताकतवर बनता जा रहा है और जरूरत पड़ी तो वह सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो उस पार भी जा सकता है। जम्मू विश्वविद्यालय में एक सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने 2016 में सीमापार हुई 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 2019 में हुई बालाकोट हवाई हमले का भी जिक्र किया। रक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा। भारत ताकतवर बनता जा रहा है। जरूरत पड़ी तो भारत सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो उस पार भी जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृव में हमारी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है और पहली बार न केवल देश, बल्कि दुनिया को पता चला है कि आतंकवाद के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का क्या मतलब होता है।''

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक का फैसला केवल 10 मिनट में ले लिया था। उन्होंने कहा, ''पुलवामा और उरी दोनों ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं। प्रधानमंत्री ने (सर्जिकल स्ट्राइक करने का) फैसला लेने में केवल 10 मिनट लिये, जो उनके मजबूत दृढ़संकल्प को दिखाता है। हमारे बलों ने न केवल सीमा के इस ओर आतंकवादियों को ढेर किया, बल्कि उन्हें मार गिराने के लिये उस पार भी गए।'' आतंकवादियों ने सितंबर 2016 में उरी में सेना के एक शिविर पर हमला किया था, जिसमें 19 जवान मारे गये थे। घटना के एक पखवाड़े बाद सीमापार 'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम दिया गया और आतंकवादियों के 'लांच पैड' तबाह कर दिये गये। फरवरी, 2019 में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों के एक काफिले पर आत्मघाती हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। हमले के 12 दिन बाद भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविर को नेस्तनाबूद कर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर ने लंबे समय तक आतंकवाद का दंश झेला है। उन्होंने कहा, ''यहां लोग जानते हैं कि किस तरह आतंकवाद का जहर समाज को

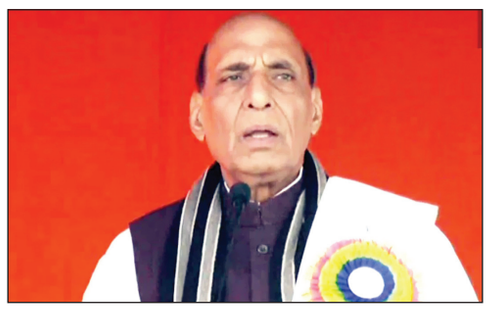

खोखला करता है।''

सिंह ने कहा कि यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मोदी सरकार ने देश में क्रांतिकारी सुधारों की मजबूत नींव रखी है, जो इस सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''मुझे 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में बोले गये उनके शब्द याद हैं। उन्होंने कहा था, 'सौगंध मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं मिटने दूंगा, देश नहीं झुकने दूंगा'।'' सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संकल्प का अक्षरश: पालन किया है।

प्रधानमंत्री ने आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का मतलब दुनिया को समझाया : रक्षामंत्री

पिछले सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर आये थे और आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के एक दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुँचे। रक्षा मंत्री ने इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करने के अलावा भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की और बाद में अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के साथ पहुंचे राजनाथ सिंह का भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना, सांसद जुगल किशोर शर्मा और जम्मू के महापौर राजिंदर शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हवाई अड्डे पर स्वागत किया। हम आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू पहुंचते ही जम्मू विश्वविद्यालय पहुँचे जहां उन्होंने सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। इस सम्मेलन में रक्षा विशेषज्ञों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों और युवाओं समेत करीब 1500 विशिष्ट आमंत्रित लोगों ने भाग लिया। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन के माध्यम से यूपीए सरकार के दौरान की कमजोरियों से जनता को अवगत कराया और बताया कि कैसे मोदी सरकार आने के बाद से आतंक पर करारा प्रहार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई शुरू की और पहली बार देश ही नहीं दुनिया ने जाना कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का मतलब क्या होता है। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवाद की फंडिंग पर रोक लगाई, हथियारों और ड्रग्स की सप्लाई पर रोक लगाई और आतंकवादियों के सफाए के साथ-साथ जो भूमिगत वर्कर्स का नेटवर्क यहां काम करता है उसे भी छिन्न-भिन्न करने का काम हो रहा है। हम आपको बता दें कि अपने संबोधन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के त्रिकुटा नगर स्थित मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक की अध्यक्षता की जिसमें मौजूदा राजनीतिक हालात की समीक्षा की गयी और सांगठनिक मामलों पर भी चर्चा की गयी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साफ तौर पर कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा था और हमेशा से रहेगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति रही है। हमने आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की हैं। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पुलवामा हमला हुआ तो मैं उस वक्त गृह मंत्री था, मैंने अपने जवानों के ताबूत कंधे पर उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का रट लगाता रहता है लेकिन उनसे कोई फायदा नही होगा। रक्षा मंत्री ने इस बात को स्वीकार किया कि चीन के साथ हमारे कुछ मतभेद हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब हम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हैं तो सबसे पहले बात सीमाओं की सुरक्षा की आती है क्योंकि यदि सीमाएं सुरक्षित नही होंगी तो राष्ट्र भी सुरक्षित नही होगा।

विपक्षी दलों की बैठक का भाजपा ने उड़ाया मजाक तो भड़के पवार

मुंबई। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को कहा कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले पिछले सप्ताह पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में प्रधानमंत्री पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। पवार ने महाराष्ट्र के बारामती शहर में पत्रकारों से कहा कि बैठक में मंहगाई, बेरोजगारी और सांप्रदायिक ताकतों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ स्थानों पर जानबूझकर किए गए प्रयासों जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने विपक्षी बैठक की आलोचना के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा। पवार ने कहा कि भाजपा विपक्षी दलों की बैठक को लेकर चिंतित क्यों थी? राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि इससे साफ दिखता है कि उनमें राजनीति परिपक्वता की कमी है।

गौरतलब है, हाल ही में पटना में विपक्षी दलों की बैठक हुई थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष को एकजुट करने के लिए यह बैठक बुलाई थी। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत विपक्षी दलों के तमाम बड़े नेता शामिल हुए थे। 'प्रधानमंत्री पद के 19 दावेदार एक साथ आए' इस बात का विरोधियों द्वारा मजाक उड़ाने पर पवार ने कहा कि यह एक बचकाना बयान है। उन्होंने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ाने के लिए कई जगह जानबूझकर प्रयास किए गए इस मामले को लेकर बैठक में चर्चा हुई। पवार ने कहा कि अभी लोग जो सत्ता है में हैं यानी भाजपा समुदायों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है। इस पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि धर्म और जाति के आधार पर समुदायों के बीच दरार किसी भी समाज के लिए हानिकारक है। इसे कैसे रोका जाए इस मुद्दे पर विचार रखे गए।

पवार ने कहा कि मैंने उन सभी नेताओं के बयान पढ़े, जिन्होंने पटना में हुई विपक्ष की बैठक पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में (विपक्षी नेताओं को) बैठक आयोजित करने की अनुमति

क्यों नहीं है? पवार ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, मुझे उनका नाम याद नहीं...उन्होंने कहा कि बैठक करने की क्या जरूरत थी। पवार ने आगे कहा कि अब मैंने उनका एक बयान पढ़ा है कि वह मुंबई में एक बैठक करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप (भाजपा) एक बैठक कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं कर सकते? हमारे बैठक करने से आप परेशान क्यों हो जाते हैं?

अजित की इच्छा पर पार्टी के प्रमुख नेता फैसला करेंगे: पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संगठन में कोई भूमिका दिए जाने की अजित पवार की अपील के कुछ दिन बाद पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को कहा कि कोई एक व्यक्ति इस बारे में फैसला नहीं ले सकता और पार्टी के प्रमुख नेता इस संबंध में कोई निर्णय लेंगे। राकांपा के वरिष्ठ नेता तथा शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने हाल में पार्टी नेतृत्व से अपील की थी कि उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी से मुक्त करके पार्टी संगठन में कोई भूमिका दी जाए। गौरतलब है कि शरद पवार ने हाल में अपनी बेटी व लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले को पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करके उन्हें महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सौंपी थी। दूसरे कार्यकारी अध्यक्ष प्रफ्फुल पटेल को अन्य राज्यों की जिम्मेदारी दी गई थी। पार्टी संगठन में कोई भूमिका दिए जाने की अजित पवार की इच्छा के बारे में पूछे जाने पर राकांपा प्रमुख ने कहा कि कोई एक व्यक्ति ऐसे फैसले नहीं ले सकता।

खेल
प्रमुख समाचार

वर्ल्ड कप के लिए आठ टीमों ने किया है सीधे क्वालीफाई

नईदिल्ली। जिम्बाब्वे में चल रहे 2023 वनडे वर्ल्ड कप के क्वालीफयर्स में अब तक 16 मुकाबले खेल जा चुके हैं। रविवार को श्रीलंका ने आयरलैंड पर 133 रनों की बड़ी जीत दर्ज कर ग्रुप बी में टॉप पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। जबकि ग्रुप ए में जिम्बाब्वे पहले स्थान पर काबिज है। 10 टीमों के बीच वर्ल्ड कप के बचे दो स्थानों के लिए जंग जारी है। लेकिन इनमें से चार टीमों का वर्ल्ड कप में पहुंचने का सपना टूट चुका है और सुपर-6 में खेलने वाली टीमों की तस्वीर साफ हो गई है।

गौरतलब है कि आयरलैंड, नेपाल, यूएई और यूनाइटेड स्टेट्स का 2023 वनडे वर्ल्ड कप खेलने का सपना टूट गया है। ये सभी टीमें क्वालीफायर राउंड से बाहर हो गईं हैं। अब 6 टीमों के बीच भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप के मेन इवेंट में पहुंचने की जंग होगी। इसमें श्रीलंका, जिम्बाब्वे, नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, ओमान और वेस्टइंडीज शामिल हैं। हालांकि, अभी लीग स्टेज के चार मुकाबले बाकी हैं, लेकिन फिर भी टॉप-6 की तस्वीर साफ हो गई है। बता दें कि क्वालीफाइंग राउंड में सुपर-6 के मुकाबले 29 अगस्त से खेले जाएंगे। वहीं इसका फाइनल मुकाबला 9 जुलाई को खेला जाएगा। क्वालीफायर से दो टीमें वर्ल्ड कप के मेन इवेंट में जाएंगी। बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इसके लिए आठ टीमें सीधे तौर पर क्वालीफाई हो चुकी हैं। वहीं अंतिम दो टीमें क्वालीफाइंग राउंड से पहुंचेंगी।

2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए होस्ट भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने सीधे तौर पर क्वालीफाई किया है। अब बाकी दो टीमें क्वालीफायर राउंड से आएंगी। फिर अक्टूबर-नवंबर में मेन इवेंट खेला जाएगा। अपने घर पर खेलने की वजह से टीम इंडिया वर्ल्ड कप में बतौर फेवरेट उतरेगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 9 अंक टूटा निफ्टी 18,700 के नीचे

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में सुस्त कारोबार देखने को मिला। लगातार दो कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद आज देसी बाजार बेहद कम नुकसान के साथ लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स 9 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में 26 अंको की बढ़त दर्ज की गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,691.20 पर बंद हुआ। ऑटो और हेल्थकेयर शेयरों ने सोमवार को कारोबार में बेहतर प्रदर्शन किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 9.37 अंक यानी 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 62,970.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,136.09 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 62,853.67 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 25.70 अंक यानी 0.14 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

लुलु समूह भारत में करेगी 10000 करोड़ रुपये का निवेश

वॉशिंगटन। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित लुलु समूह अगले तीन वर्षों के दौरान भारत में मौजूदा परियोजनाओं पर 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। लुल ग्रुप के चेयरमैन यूसुफ अली एमए ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समूह ने देश में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य भारत में 50,000 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है और अब तक उनके विभिन्न उद्यमों ने 22,000 से अधिक नौकरियां दी हैं। यूसुफ अली ने यह भी कहा कि लुलु समूह ने अगले पांच वर्षों के दौरान तेलंगाना में डेस्टिनेशन शॉपिंग मॉल (3,000 करोड़ रुपये) सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा, हमने (भारत में) शॉपिंग मॉल, होटल और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों सहित विभिन्न क्षेत्रों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।

2000 रुपए के नोट वापस लेने से इकोनॉमी पर कोई असर नहीं

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के 2000 रुपये का नोट को वापस लेने के फैसले से भारत की इकोनॉमी पर कोई नेगेटिव असर नहीं पड़ेगा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत ने सोमवार को यह बात कही। गवर्नर दास ने एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में ने कहा, एक बात जो मैं आपको स्पष्ट रूप से बता सकता हूं वह यह है कि हम अभी जो 2,000 रुपये के नोट वापस ले रहे हैं, उसका अर्थव्यवस्था पर कोई नेगेटिव प्रभाव नहीं पड़ेगा। इससे पहले, दास ने कहा था कि जब से 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने के फैसले की घोषणा की गई है, तब से सर्कुलेशन में मौजूद कुल करेंसी के दो-तिहाई से अधिक नोट सिस्टम में वापस आ गए हैं। इससे पिछले सप्ताह दास ने कहा था, पिछले सप्ताह के मध्य तक 3.62 लाख करोड़ रुपये के कुल 2000 रुपये के नोटों में से दो-तिहाई से अधिक या 2.41 लाख करोड़ रुपये बैंकों में वापस आ गए हैं।

इंफोसिस का डांस्के बैंक के साथ 454 मिलियन डॉलर का सौदा

नईदिल्ली। इंफोसिस ने डांस्के बैंक के साथ लांग-टर्म डील का ऐलान किया है। कंपनी ने यह डील बैंक की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जरूरतों को गति देने के लिए की है। इस डील के तहत इंफोसिस के पास इस बैंक के डिजिटल सिस्टम में बदलाव करने की जिम्मेदारी होगी। इस डील की अवधि 5 साल है और इस अनुमानित समझौते का मूल्य 45.4 करोड़ है। कंपनी ने एक्सचेजों को बताया कि इस डील को तीन साल के लिए रिन्यू भी किया जा सकता है। इस समझौते के हिस्से के रूप में इंफोसिस भारत में डांस्के बैंक के आईटी केंद्र को भी खरीदेगी। इस केंद्र में फिलहाल 1,400 से अधिक कर्मचारी है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी को उम्मीद है कि इस डील का लेनदेन वित्त वर्ष 2023-2024 की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।

पुराने वाहनों के लिए जर्मनी की शुद्ध शून्य उत्सर्जन योजना

देवांशु दत्ता

जब यूरोपीय संघ (श्र) केवल शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले वाहनों के परिचालन की अनुमति देने संबधी एक विधान पर विचार कर रहा था तो उस समय जर्मनी ने एक रुचिकर प्रस्ताव दिया। जर्मनी ने अपने प्रस्ताव में कहा कि यूरोपीय संघ के देशों में सभी पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहनों को सड़कों से हटाने के बजाय मौजूदा पेट्रोल-डीजल इंजन वाहनों में कार्बन-तटस्थ संश्लेषित ईंधन का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यूरोपीय संघ जिस विधान पर चर्चा कर रहा था उसके अंतर्गत 2035 तक कार्बन उत्सर्जन करने वाले सभी वाहनों को परिचालन से हटाने का प्रावधान है।

यह सच है कि इलेक्ट्रिक वाहनों (और हाइड्रोजन-फ्यूल सेल्स) से कार्बन उत्सर्जन शून्य रहता है, मगर वास्तव में किसी न किसी रूप में पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के लिए वे भी जिम्मेदार होते हैं। लीथियम, अन्य धातुओं एवं दुर्लभ मृदा तत्त्वों के खनन एवं परिष्करण और प्लास्टिक एवं कल-पुर्जों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले तत्त्वों के उत्पादन से भी पर्यावरण पर बड़ा प्रभाव होता है।

दुनिया में लगभग 90 प्रतिशत वाहन (करीब 2 अरब) 2030 तक पेट्रोल-डीजल इंजनों से ही चलेंगे। इन्हें कतई मतलब नहीं होगा कि कार्बन उत्सर्जन कम होकर बिल्कुल शून्य हो जाएगा। पेट्रोल-डीजल इंजन और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों बनाने से पर्यावरण पर लगभग उतना ही असर होता है। कुछ गणनाओं के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहन बनाने की प्रक्रिया में पर्यावरण पर कहीं अधिक असर होता है।

दोनों में अंतर यह है कि पेट्रोल-डीजल इंजन जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल करते है

जिससे पर्यावरण में काफी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन होता है। कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस के खनन एवं परिष्करण के दौरान कार्बन का काफी मात्रा में इस्तेमाल होता है और इसका परिणाम यह होता है कि वातावरण में कार्बन उत्सर्जन अधिक होता है। अब जरा ऐसी स्थिति की कल्पना कीजिए जब पेट्रोल-डीजल इंजन के लिए एक कार्बन-नकारात्मक (कार्बन-नेगेटिव) ईंधन का उत्पादन किया जाए ताकि ईंधन चक्र का शुद्ध कार्बन प्रभाव शून्य या नकारात्मक हो जाए?

पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और सीएनजी की जगह संश्लेषित हाइड्रोकार्बन ईंधन का सरलता से इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी ने कोयले से डीजल और पेट्रोल की जगह दूसरे संश्लेषित ईंधन सफलतापूर्वक तैयार कर लिए थे। इसके तहत कार्बन डाइऑक्साइड की जल से अभिक्रिया कराकर मिथाइल अल्कोहल प्राप्त किया जाता है। मिथाइल अल्कोहल संश्लेषित ईंधन में बदला जा सकता है और पेट्रोल-डीजल इंजन में बिना किसी खास बदलाव के इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

पर्यावरण के अनुकूल पहलू इस विकल्प पर 21वीं शताब्दी में गंभीरता से विचार किया जा सकता है। वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अलग किया जा सकता है जिससे संश्लेषित ईंधन का उत्पादन कार्बन उत्सर्जन रहित हो सकता है। पानी में बिजली प्रवाहित कर हाइड्रोजन प्राप्त किया जा सकता है। अगर यह बिजली हरित माध्यमों से पैदा की जाती है तो पर्यावरण पर असर कम से कम हो जाता है।

कुल मिलाकर, निष्कर्ष यह निकाला जा सकता है कि संश्लेषित ईंधन तैयार करना कार्बन उत्सर्जन रहित हो सकता है। अगर इस संश्लेषित ईंधन से कार्बन उत्सर्जन इस प्रक्रिया (संश्लेषित ईंधन तैयार करने की) के दौरान एकत्र कार्बन से कम रहता है तो यह पर्यावरण के समीकरण के दृष्टिकोण से यह लाभकारी हो सकता है। अगर किसी तरह शुद्ध कार्बन उत्सर्जन होता है तब भी यह लाखों इलेक्ट्रिक वाहन तैयार करने के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन से कम रह सकता है। पोर्श, टोयोटा और कई अन्य बड़ी वाहन कंपनियां संश्लेषित ईंधन से जुड़ी संभावनाएं तलाश रही हैं। मोटर रेसिंग संश्लेषित ईंधन के चलन को और बढ़ावा दे सकती है।

एकता की राह में दलों की महत्वाकांक्षाएं

सच्चिदानंद सच्चू

पटना में विपक्षी एकता की बैठक संपन्न हो चुकी है। पहली नजर में यह एक सफल बैठक नजर आती है लेकिन इसके कुछ विरोधाभास भी हैं। संभव है कि शिमला में जब विपक्षी एकता की अगली बैठक हो, तो यह विरोधाभास कुछ अधिक नजर आए। क्योंकि पाटलिपुत्र और शिमला के तापमान में सब दिन अंतर रहा है और आज भी यह अंतर बना हुआ है। बैठक के बाद हुई प्रेस कान्फ्रेंस में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता के लिए अपने निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का आह्वान किया। लेकिन उन्होंने विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण धुरी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल भी उठाए। उनके हिसाब से पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका सही नहीं है। ऐसे में निजी महत्वाकांक्षाओं को त्याग करने का उनका आह्वान कितना सार्थक हो पाएगा यह भी शिमला में होने वाली बैठक में साफ हो जाएगा। वैसे ममता ने यह ठीक ही कहा है कि विपक्षी एकता के लिए निजी महत्वाकांक्षाओं को त्यागना होगा। लेकिन इन महत्वाकांक्षाओं को त्यागना भी विपक्षी पार्टियों के लिए इतना आसान नहीं होगा। क्योंकि पटना में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान ममता जब ये बातें कह रही थीं, तब उसी प्रेस कान्फ्रेंस से विपक्षी एकता की महत्वपूर्ण कड़ी अरविंद केजरीवाल, भगवंत सिंह मान और एमके स्टालिन गायब थे। इससे तो यही साबित होता है कि निजी महत्वाकांक्षाओं का त्याग विपक्षी पार्टियों के नेता इतनी आसानी से कर पाएंगे। विपक्षी एकता की बैठक में पीडीपी ने कश्मीर से धारा 370 खत्म करने के मामले में 'आप' और अरविंद केजरीवाल से अपना स्टैंड क्लीयर करने को कहा। जबकि ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाए। वहीं अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस से अपना रुख साफ करने को कहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने क्षेत्रीय नेताओं को राज्यों में नेतृत्व देने की मांग की। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर इन मुद्दों पर बात नहीं बनी तो सभी दल एकजुट होकर 2024 में चुनाव लड़ेंगे कैसे? विपक्षी एकता की बैठक से पहले 'हम' के जीतन राम मांझी एनडीए का दामन थाम चुके हैं। हालांकि जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने से न तो एनडीए मजबूत हो रहा है और न ही विपक्षियों के वोट बैंक पर इसका कोई असर पड़ता हुआ मुझे नजर आ रहा है। हाँ, लेकिन बिहार के दलित-महादलित समुदाय में एनडीए के प्रति माहौल बनाने में मांझी जरूर कारगर साबित हो सकते हैं। दलितों और महादलितों को लुभाने के लिए भाजपा के मयान में कई तलवारें हैं। जिनमें मांझी और लोजपा के दोनों गुट प्रमुख हैं। भाजपा अगर बिहार में भितरघात की चपेट में नहीं आती है तो दलितों-महादलितों के वोट को अपनी ओर मोड़ने में जरूर कामयाब होगी। क्योंकि सम्राट चौधरी के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बाहरी और भीतरी के मुद्दे पर पार्टी कई गुटों में बंटी हुई नजर आ रही है और एक गुट दूसरे गुट को पटखनी देने की हर संभव कोशिशें कर रहा है। बिहार में पिछली बार की तरह शानदार जीत के लिए भाजपा को इस विरोधाभास को दूर करना होगा। बिहार सत्याग्रह की भूमि रही है। जेपी क्रांति का बिगुल इसी बिहार से फूंका गया जिसने पूरे देश के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित किया। ममता बनर्जी ने ठीक ही कहा कि बिहार से जो जनआंदोलन शुरू होता है, वह सफल होता है।

आपातकाल का काला अध्याय

मिथिलेश कुमार सिंह

इमरजेंसी विरोध की क्रांति से उभरे कई नेताओं ने कालांतर में केंद्र से लेकर राज्यों तक का नेतृत्व किया। लेकिन, इमरजेंसी के काले दिन के ठीक दो दिन पहले पटना में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुआ, वह इसलिए सोचने पर विवश करता है कि आज जितने भी नेता भाजपा के खिलाफ महागठबंधन बनाने का प्रयास कर रहे हैं, उनमें से अधिकांश का राजनीतिक वजूद कांग्रेस के विरोधी के रूप में ही बना था। 48 साल पहले ठीक आज ही के दिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र की धवल चादर पर आपातकाल का काला दाग लगा दिया था। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इस दिन को देश के सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन की संज्ञा दी जाती है। आज भी सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि भारत के प्रति नरम रुख रखने वाले पूरी दुनिया के लोगों के मन में एक दु:स्वप्न की तरह दर्ज है।

25 जून 1975 की अर्धरात्रि को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर आपातकाल थोप दिया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फख़रुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के कहने पर आपातकाल की घोषणा कर दी। 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित रहा। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद और अलोकतांत्रिक काल था, और 21 महीने का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बन गया तब लोकतंतत्र, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनअधिकारों की रक्षा के लिए तत्कालीन सरकार की तानाशाही के खिलाफ आक्रोश ने जनक्रांति का रूप ले लिया था।

आपातकाल लगाने के पीछे इलाहाबाद कोर्ट के उस फैसले को कारण माना जाता है, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को रायबरेली चुनाव अभियान में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का दोषी पाया गया था। इसके बाद न सिर्फ उनके चुनाव को ही खारिज कर दिया गया बल्कि उन पर अगले 6 साल तक चुनाव लड़ने पर और किसी भी तरह के संवैधानिक पद संभालने पर भी रोक लगा दी थी। वस्तुत: यह फैसला जस्टिस जगमोहन सिन्हा ने राजनारायण द्वारा 1971 में रायबरेली में इंदिरा गांधी के हाथों हारने के बाद दाखिल एक केस के संदर्भ में 12 जून 1975 को सुनाया था। इंदिरा गांधी के अनुकूल फैसला सुनाने के लिए जस्टिस सिन्हा को अनेक प्रलोभन दिए गए।प्रधानमंत्री श्रीमती गांधी के वरिष्ठ निजी सचिव नैवलूने कृष्ण अय्यर मानते थे कि हर इंसान की एक कीमत होती है।

कुलदीप नैयर लिखते हैं- श्रीमती गांधी के गृह राज्य उत्तर प्रदेश से एक सांसद इलाहाबाद गए थे। उन्होंने जस्टिस सिन्हा से अनायास ही पूछ लिया था कि क्या वह पांच लाख रुपये में मान जाएंगे। जस्टिस सिन्हा ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्हें सुप्रीम कोर्ट में जज बनने का भी प्रलोभन दिया गया था, पर वह नहीं हिले। मामला सुप्रीम कोर्ट गया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा, लेकिन इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहने की इजाजत दे दी। यह फैसला 24 जून 1975 को आया, जिसे आज भी विवादास्पद माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के एक दिन बाद श्रीमती इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग को लेकर जयप्रकाश नारायण द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आंदोलन का आह्वान किया गया। वैसे इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद से ही इंदिरा गांधी के खिलाफ जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, जॉर्ज फर्नांडिस, सुब्रमण्यम स्वामी आदि प्रमुख नेताओं के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन आरंभ हो चुका था। श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री पद छोड़ने के मूड में नहीं थीं, नतीजन 25 जून को अर्धरात्रि में आपातकाल की घोषणा कर दी गई।

आपातकाल 21 महीने तक रहा। इस अवधि में देश की स्थिति काफी भयावह हो गई। भारतीय कानून और संविधान में संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट के अधिकार सीमित कर दिए गए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रवादी गतिविधियों से भयभीत होकर 4 जुलाई 1975 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया, क्योंकि, 25 जून से पूर्व ही श्रीमती गांधी की मंशा का अंदाजा लगाते हुए आपातकाल के खिलाफ जनजागृति प्रसारित करने में लग गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश कोका सुब्बाराव ने कहा कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जब राष्ट्रपति और मंत्रिमंडल लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए मिल जाएं। आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल लगभग डेढ़ लाख में से करीब एक लाख और मीसा में गिरफ्तार लगभग तीस हजार लोगों में से करीब पचीस हजार संघ परिवार के कार्यकर्ता ही थे। आंदोलन के दौरान लगभग 110 स्वयंसेवक अपनी जान से हाथ धो बैठे। लोक संघर्ष समिति के जरिए आपातकाल के विरोध में निरंतर आंदोलन चलाया गया। कहा जाता है कि इसके गठन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महती भूमिका थी। अपनी गिरफ्तारी के पूर्व जयप्रकाश नारायण ने नाना जी देशमुख को लोक संघर्ष समिति की बागडोर सौंप दी और जब नानाजी देशमुख को गिरफ्तार किया गया, तो सर्वसम्मति से सुंदर सिंह भंडारी को नेतृत्व सौंपा गया। इधर, जिस तरह से राष्ट्रहित एवं लोकतंत्र को बचाने के संघर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे जोश एवं ईमानदारी के साथ लगी, उसे देखकर साम्यवादी नेताओं को भी अब उनकी प्रशंसा करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

9 जून 1979 के इंडियन एक्सप्रेस के अंक में मार्क्सवादी सांसद एके गोपालन ने लिखा- इस तरह के वीरतापूर्ण कृत्य और बलिदान के लिए उन्हें अदम्य साहस देने वाला कोई आदर्श ही होना चाहिए। यद्यपि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने आपातकाल का विरोध किया और आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया, पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आपातकाल का समर्थन किया। उन्होंने इसे एक अवसर के रूप में देखा और उसका स्वागत किया। उनका मानना था कि वह आपातकाल को कम्युनिस्ट क्रांति में बदल सकते हैं, वैसे भी वामपंथी ऐसी सभी गतिविधियों का समर्थन करते हैं जिसके चलते अराजकता फैलती है और स्थापित व्यवस्था को उखाड़ा जा सकता हो। भाकपा ने अपने राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान आपातकाल के समर्थन में प्रस्ताव भी पारित किया। इसका असर हुआ कि उसके सभी कार्यकर्ता कांग्रेस के आपातकाल के समर्थन में पूरे देश में सक्रिय हो गए और सरकार का समर्थन करने लगे।

यह इंदिरा गांधी के लिए बहुत बड़ा नैतिक समर्थन था और इसकी कीमत बाद के दिनों में उन्होंने उन्हें अदा किया। एक योजना के तहत सारे बौद्धिक संस्थान धीरे-धीरे वामपंथियों को सुपुर्द कर दिए गए। इसका परिणाम हमें आज देखने को मिलता है। जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, राजनारायण, मधु लिमये, चंद्रशेखर, जॉर्ज फर्नांडिस, कर्पूरी ठाकुर, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह के साथ जनसंघ के अटल बिहारी बाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, ध्रुवचंद बंसल, प्रभु दयाल मित्तल सहित अनेक प्रमुख नेताओं को जेल में बंद किया गया। अटल जी की जेल में तबीयत खराब हो गई, तो उन्हें एम्स में शिफ्ट करना पड़ा। हालांकि गिरफ्तारी के दौरान अटल जी कई बार बीमार पड़े। वे 18 माह जेल में रहे और इस दौरान जेल में लिखी अपनी कविताओं से लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई। वाजपेयी देश में हो रहे भूमिगत आंदोलनों से अवगत होते रहते थे।

आज कांग्रेस के साथ राजनीतिक पारी खेलने को आतुर एवं उनके साथ महागठबंधन में शामिल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उन दिनों छात्र नेता थे और जेपी आंदोलन का हिस्सा थे। उस दौरान बड़े नेताओं के साथ नीतीश जी भी इनामी अपराधियों की सूची में शामिल थे। 9 जून 1976 को उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने वाले पुलिस को 2750 रुपये की राशि का पुरस्कार दिया गया।

कहा जाता है कि नीतीश कुमार की कनपटी पर बंदूक रखकर उन्हें हथकड़ी पहनाई गई थी। कायदे से कहा जाए तो महागठबंधन में शामिल लगभग सभी दल (कांग्रेस को छोड़कर) कांग्रेस विरोध की मिट्टी से उत्पन्न हुए हैं। यह राजनीतिक विद्रूपता ही कही जाएगी कि आज सभी एकजुट होकर उन लोगों के खिलाफ एक मंच पर आना चाह रहे हैं, जिन्होंने आपातकाल के दौरान जब लोकतंत्र की हत्या हो रही थी, उनके कंधे से कंधा मिलाकर आपातकाल के विरोध में अपने खून बहाये थे।

सर्वविदित है कि आपातकाल के दौरान सभी नागरिक अधिकार निरस्त कर दिए गए थे। सत्ता के खिलाफ बोलना अपराध हो गया था। जो लोग सत्ता के खिलाफ बोलते थे, उन्हें जेलों में ठूंस दिया जाता था। कुल मिलाकर आपातकाल के दौरान ऐसा अत्याचार किया गया, जिसने देशवासियों को एक बार फिर से अंग्रेजों के शासन की याद दिला दी। देश ने उन दिनों जबरन नसबंदी का दौर भी देखा। डाइनिंग टेबल पर हेड की कुर्सी को लेकर संजय गांधी ने नेवी चीफ की बेइज्जती कर दी। प्रेस को सेंसर कर दिया गया। अखबार वही खबर छाप सकते थे, जो सरकार चाहती थी। वैसे सभी खबर प्रतिबंधित कर दिए गए जिनसे सरकार की छवि को नुकसान पहुंचता था। भारतीय लोकतंत्र के गौरवशाली इतिहास में वंशवादी कांग्रेस के द्वारा थोपा गया आपातकाल एक काले धब्बे की तरह है, जिसे याद कर देशवासी आज भी सिहर जाते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

गोपालपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

वह मन्त्र स्वयं साक्षात् वासुदेवमय ही है, उन वासुदेव से भिन्न दूसरा और कुछ भी नहीं है। वे भगवान् गोविन्द पञ्चपद मन्त्र स्वरूप हैं। उनका श्रीविग्रह सत्-चित्-आनन्द स्वरूप है। वे वृन्दावन में स्थित कल्पवृक्ष के नीचे (रत्नजटित सिंहासन पर) सदैव विराजमान रहते हैं। मैं (ब्रह्मा) मरुद्गणों के साथ रहते हुए उन भगवान् (श्रीकृष्ण) को श्रेष्ठ स्तुतियों के द्वारा प्रसन्न करता हूँ।

सम्पूर्ण जगत् ही जिनका स्वरूप है, जो जगत् के पालनकर्त्ता एवं संहार के एकमात्र कारण हैं और स्वयं ही विश्वमय एवं एकमात्र इस जगत् के अधिष्ठाता हैं, ऐसे उन भगवान् गोविन्द को बारम्बार प्रणाम है। जो विज्ञानमय तथा परम आनन्दमय हैं और जो प्राणिमात्र को अपनी तरफ आकृष्ट कर लेने में पूर्ण सक्षम हैं, ऐसे उन गोपसुन्दरियों के प्राणाधार भगवान् श्री गोविन्द के लिए बारम्बार नमन-वन्दन है।

जो अपने दोनों चक्षुओं में कमल की सुन्दर आभा को धारण किये हुए हैं, गले में कमल पुष्पों की माला धारण किये हुए हैं, जिनकी नाभि से कमल उत्पन्न हुआ है, ऐसे उन भगवान् कमलापति (श्रीकृष्ण) को नमस्कार है। जिनके मस्तक पर मोरपंख सुशोभित हो रहा है, जिन (श्रीकृष्ण) में सभी का मन रमण करता रहता है, जिनकी बुद्धि और स्मरणशक्ति कभी कुण्ठित नहीं होती और जो रमा, गोपसुन्दरीगण एवं श्रीराधा जी के मानस के राजहंस हैं, ऐसे उन भगवान् गोविन्द को बारम्बार प्रणाम है। जो कंस के वंश का विनाश करने वाले तथा केशी एवं चाणूर के घातक हैं। जो भगवान् वृषभध्वज (शिवजी) के भी वन्दनीय हैं, उन पार्थसारथि भगवान् श्रीकृष्ण के लिए बारम्बार नमन-वन्दन है।

वंशी (वेणु) वादन ही जिनकी सहज वृत्ति है, जो समस्त गौओं के पालक हैं तथा जो कालियानाग का मान-मर्दन करने में समर्थ हैं। कालिन्दी के सुन्दर तट पर कालियाहद में नाग के फणों पर जो चञ्चल गति से अविराम लास्य-लीला में संलग्न हैं। जिनके कानों में स्थित कुण्डल गतिशीलता के कारण हिलते हुए झिलमिला रहे हैं, जिनके श्री अंग खिले हुए कमल की माला से सुशोभित हो रहे हैं और जो नर्तन में संलग्न होने के कारण अत्यधिक शोभायमान हो रहे हैं, उन शरणागत वत्सल भगवान् श्रीकृष्ण को बारम्बार नमस्कार है।

क्रमशः..

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के रचयिता थे बंकिम चंद्र चटर्जी

अनन्या मिश्रा

देश की आजादी एक लंबे स्वाधीनता आंदोलन की देन है। भारत की आजादी में न सिर्फ राजनेताओं व राजा-महाराजाओं का बल्कि कवियों, साहित्यकारों, वकीलों और विद्यार्थियों का भी विशेष योगदान रहा था। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आजादी की लड़ाई में कई साहित्य प्रेमियों ने अपनी महान और अमर रचनाओं से आजादी की लड़ाई में नई जान फूंकी थी। इसके अलावा भारतीय भाषाओं के साहित्य को भी मजबूती देते हुए नए आयाम पर पहुंचाया।

ऐसे ही साल 1874 में स्वतंत्रता सेनानी के द्वारा लिखा गया अमर गीत वंदे मातरम भारतीय स्वाधीनता संग्राम का मुख्य उद्घोष बन गया था। बता दें कि वंदे मातरम की रचना करने वाले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का 8 अप्रैल को निधन हो गया था। वंदे मातरम देश का राष्ट्रगीत है। देश का अमरगीत वंदे मातरम लिखने वाले साहित्य रचनाकार और स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय हमेशा के लिए अमर हो गए। देश का यह राष्ट्रीय गीत सिर्फ एक गीत या नारा नहीं था। बल्कि साल 1874 के समय में यह गीत लाखों-करोड़ों युवाओं के दिलों में धड़क रहा था।

आप सबने भी स्कूल में इस गीत को गाया होगा। लेकिन इस राष्ट्रीय गीत को लिखे जाने के पीछे की कहानी और इसके रचयिता बंकिम चंद्र के जीवन के संघर्म को आप उतना करीब से नहीं जानते होंगे। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बंकिम चंद्र चटर्जी के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों को बताने जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के कांठलपाड़ा गांव में 26 जून, 1838 ईस्वी को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ था। बंकिम चंद्र बंगला भाषा के शीर्षस्थ व ऐतिहासिक उपन्यासकार रहे हैं। सरल भाषा में आप उन्हें भारत का एलेक्जेंडर ड्यूमा भी कह सकते हैं। अपनी शुरूआती शिक्षा पूरी करने के बाद बंकिम 1857 में प्रेसीडेंसी कॉलेज से बीए पास किया। पढ़ाई करने के बाद बंकिम को फौरन नौकरी भी मिल गई।

बंकिम चंद्र चटर्जी ने साल 1874 में वंदे मातरम गीत की रचना की। उन्होंने इस गीत की रचना भारत के लोगों में देशभक्ति का भाव जगाने के लिए किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंग्रेजों ने इंग्लैंड की रानी के सम्मान में गॉड! सेव द क्वीन गीत को हर आयोजन या कार्यक्रम पर गाना अनिवार्य कर दिया था। अंग्रेजों के इस फैसले से बंकिम समेत कई देशवासी दुखी और आहत हुए थे। इसी गीत के जवाब में बंकिम ने साल 1874 में वंदे मातरम गीत की रचना की। बता दें कि राष्ट्रीय गीत के मुख्य भाव में भारत भूमि को माता का संबोधन दिया गया है। वहीं साल 1882 में आए उपन्यास आनंदमठ में भी इस राष्ट्रीय गीत को शामिल किया गया था। यह उपन्यास ऐतिहासिक और सामाजिक ताने-बाने से भरपूर था। जिसने देश में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने में काफी अहम योगदान दिया था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक अधिवेशन साल 1896 में कलकत्ता में हुआ था। तब पहली बार वंदे मातरम गीत को गाया गया था।

21वीं सदी भारत और अमेरिका की साझेदारी की है?

बिक्रम उपाध्याय

सोच बदलिए, परिणाम बदल जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिकी दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि ही यही रही कि राष्ट्रपति बाइडेन ने एक बार नहीं, कई बार यह संकेत दिया कि भारत के प्रति अमेरिकी सोच में बहुत बड़ा बदलाव आया है। उनकी यह घोषणा कि 21 वीं सदी भारत और अमेरिका की होगी, इसकी पुष्टि करती है। नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच सुरक्षा, तकनीक, माइक्रोचिप्स और वीजा की सहूलियतें जैसे दर्जनों समझौते दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली के परिणाम हैं। तीन साल पहले तक अमेरिका नई दिल्ली के साथ एक संतुलन की नीति पर काम कर रहा था। पाकिस्तान उसके लिए मजबूरी था, लिहाजा इस्लामाबाद को एक दम नजरअंदाज कर भारत को एक रणनीतिक साझीदार नहीं बना सकता था। लेकिन जब अमेरिका मई 2021 में अफगानिस्तान को पूरी तरह खाली कर निकल गया तो उसके सामने भारत के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। भारत को संतुष्ट करने के लिए बाइडेन ने राष्ट्रपति बनने के बाद एक बार भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से बात नहीं की। इमरान खान बाइडेन के एक फोन कॉल के लिए तरसते रह गए।

अमेरिका का निवेश एशिया में सबसे ज्यादा चीन में है। 2021 में यह 118 अरब डॉलर था, जबकि भारत में लगभग 60 अरब डॉलर। कोविड काल और उसके बाद चीन में अमेरिकी निवेश खतरे में है। व्यावसायिक कटुता इतनी बढ़ गई है कि चीन से अमेरिकी कंपनियां लगातार बाहर जा रही हैं। चीन के अलावा पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जहां सस्ते और पर्याप्त संख्या में मजदूर उपलब्ध हैं।

अंग्रेजी बोलने वाले पेशेवर लोग हैं। आईटी और उससे जुड़ी सेवाओं की भरमार है और प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता में आने के बाद से नीतियों में निरंतरता और राजनीति स्थिरता बरकरार है। यही कारण है कि चीन से उठ कर बाहर जाने वाली हर अमेरिकी कंपनी के लिए भारत सर्वोच्च प्राथमिकता वाली डेस्टिनेशन बन गया है। अब एप्पल अकेला उदाहरण नहीं है, जो अपनी उत्पादन इकाई भारत में लाकर खुश है। प्रधानमंत्री मोदी की इस अमेरिकी यात्रा के बाद भारत में टेस्ला, माइक्रोन टेक्नोलॉजी, बोइंग, एमैजन, फॉक्सकॉन, सिस्को, वालमार्ट, जनरल इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियां भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के लिए तत्पर हो गई हैं।

भारत के साथ फाइटर जेट के इंजन और ड्रोन की आपूर्ति और निर्माण के लिए अमेरिकी कंपनियों की प्रधानमंत्री मोदी के सामने जताई गई सहमति केवल व्यापारिक हितों के लिए नहीं है। इसके पीछे अमेरिका की अपनी सुरक्षा नीति है। चीन की आक्रामता रोकने के लिए यूएस प्रशासन ने जो रणनीति बनाई है, वह कुछ हद तक नाटो की रणनीति से मिलती जुलती है। क्वाड एशिया में वही काम करेगा जो यूरोप और अमेरिका में नाटो कर रहा है। जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत को भी सामरिक दृष्टि से मजबूत बनाना अमेरिका की रणनीति का हिस्सा है। चीन ने बाकायदा एक बयान जारी कर यह कहा है कि अमेरिका क्वाड के जरिए एशियन नाटो बना रहा है। क्वाड का मुख्य उद्देश्य ही इंडो पैसेफिक क्षेत्र में चीन के वर्चस्व को चुनौती देना है। चीन के पास इस समय 2,566 लड़ाकू विमान हैं, जबकि भारत के पास उसके आधे भी नहीं है। भारत बाहर से लड़ाकू विमानों को खरीद कर इस खाई को पाट नहीं सकेगा। केवल हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ही उत्पादन बढ़ाकर वायु सेना की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इस अमेरिका यात्रा में बाइडेन प्रशासन से यह करार कर लिया है कि जनरल इलेक्ट्रिक न सिर्फ भारत में फाइटर जेट का इंजन बनाने का कारखाना लगाएगी, बल्कि तकनीकी हस्तांतरण भी करेगी। इससे स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क 2 के उत्पादन में गुणात्मक तेजी आएगी। हमारे उन नवयुवकों के लिए इससे बड़ी राहत नहीं हो सकती, जो अमेरिका में जाकर नौकरी करना चाहते हैं, लेकिन एच-वन वीजा की कठिन प्रक्रिया के कारण एक निश्चित समयावधि के बाद अमेरिका छोड़ना पड़ता है। अब उन्हें वहां रहते ही वीजा अवधि का समय विस्तार हो जाएगा। निश्चित रूप से अमेरिकी प्रशासन ने इसमें उदारता दिखाई है। पर इसके पीछे उनकी अपनी भी जरूरतें हैं। इस समय भारत के लगभग 40 लाख लोग वहां रह रहे हैं, जो लगभग सभी क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्पेस से लेकर रिटेल व्यवसाय तक में भारतीय सक्रिय हैं और वे अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भी बड़ा योगदान कर रहे हैं। यह सुखद आश्चर्य है कि अमेरिका में भारतीय लोगों की जनसंख्या में भले ही एक प्रतिशत है, लेकिन उनके कुल कर संग्रह में भारतीय 6 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं। यही स्थिति अमेरिका जाकर पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की है। अकेले 2023 के सत्र में अमेरिका सवा लाख भारतीय छात्रों को पढ़ाई का वीजा दे चुका है। भारत का हर छात्र पढ़ाई के एवज में 20 हजार से लेकर 60 हजार डॉलर तक अमेरिका में निवेश कर रहा है। आज दुनिया आश्चर्य कर रही है कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी में ऐसा क्या है कि बाइडेन उनका इस तरह से रेड कार्पेट वेलकम कर रहे हैं। बीबीसी न्यूज ने अपने एक लेख में कहा है कि - वर्तमान वैश्विक आर्थिक और भूराजनीतिक परिस्थितियों में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। यह स्वागत उस नेता के लिए है जिसे एक बार मानवाधिकार के मुद्दे पर अमेरिका की यात्रा के लिए वीजा देने से इंकार कर दिया गया था। पर अब अमेरिका प्रधानमंत्री मोदी को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखता है।

बीबीसी का भी मानना है कि अधिकांश देश विनिर्माण के लिए चीन का विकल्प चाहते हैं, और भारत के पास बढ़ते मध्यम वर्ग के साथ एक बड़ा बाजार भी है। दुनिया भारत को चीन प्लस वन नीति के तहत देखना चाहती है। वाशिंगटन में विल्सन सेंटर थिंक-टैंक में दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन का कहना है कि अमेरिका और भारत ने अब व्यापक इंडो-पैसिफिक थिएटर पर आंखें मिलाकर देखना शुरू कर दिया है। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की कुशलता और नीतियों में भारत की स्थिरता का प्रभाव है कि अमेरिकी स्वागत सत्कार तथा रक्षा एवं व्यापार में तमाम संभावनाओं के बावजूद भारत ने अपने अन्य सहयोगियों के प्रति दृष्टिकोण में किसी बदलाव का संकेत नहीं दिया है।

बापू की दिनचर्या

समाचारपत्रावलोकन (भाग-2)

गतांक से आगे...

बाद में बापू इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि पत्र को स्वावलंबी होना चाहिए और पाठकों तथा संपादक की लेखनी के बल पर चलना चाहिए। भारत में भी अपने साप्ताहिकों में उन्होंने विज्ञापन प्रकाशित नहीं होने दिया, जनबल पर उनको चलाया। पत्र - जगत् की यह अद्भुत घटना है। उनकी मान्यता थी कि सच्चे अर्थों में यही स्वतंत्र पत्रकारिता है। अनैतिक विज्ञापनों के बल पर पत्र संचालन से कहीं अच्छा उसका बंद हो जाना है। इस आदर्श के परिपालन में उन्हें सफलता मिली। उनके पत्रों की संख्या घटती-बढ़ती रहती और उससे वे जनमत का अनुमान लगा लिया करते समय पर अखबार निकालने को वे स्वराज्य-प्राप्ति के समान महत्त्व देते और उनके अखबार हमेशा समय पर निकलते। उनकी कथनी और करनी में इतना साम्य था! बापू के सहायक यद्यपि अधिकांश उलझनों को दूर कर कार्ययोग्य विशुद्ध और मुख्य समाचार ही उनके दृष्टि-पथ में आने देते और इस प्रकार वे समाचारपत्रों में ढेर-के-ढेर अनावश्यक ऊलजलूल, झूठे और अमर्यादित ढंग से प्रकाशित समाचारों पर दृष्टि दौड़ाने से बच जाते. तथापि उनकी पैनी दृष्टि से पत्रकारिता के ये दोष छिप नहीं पाते। कभी-कभी देशी-विदेशी पत्रों में उनके भाषणों या वक्तव्यों का उलटा-सीधा अर्थ छाप दिया जाता। इससे भारी भ्रांति फैलने के साथ उनका व्यक्तिगत और भारत राष्ट्र का अहित होने की आशंका रहती। इन्हीं कारणों से वे अपने लिखे या लिखवाए। वक्तव्यों को एक बार देख लेने के बाद प्रकाशनार्थ अनुमति देते। इसीलिए 1 उनको एक बार लेख लिखकर फिर उसमें कांट-छाँट करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उस समय उन्हें ऐसा अनुभव होता कि कोई दूसरी शक्ति उनसे लिखवा रही है, फिर भी एक बार दोहराए बिना ये नहीं रहते। सहयोगियों के लिखे लेखों तथा टाइप की हुई सामग्री देखकर ही वे अग्रसर होने देते। संवाददाताओं को बापू प्राय: मौलिक बयान नहीं देते। उनके प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में देने का उनका प्रयत्न रहता। उनका मौखिक वक्तव्य भी वे तब तक प्रकाशित नहीं कर पाते, जब तक बापू उसे सुन या देखकर स्वीकृति नहीं दे देते। उन लोगों से भेंटवार्त्ता के समय वे बहुत सावधान रहते।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

भाजपा महिला मोर्चा की 36 राष्ट्रीय पदाधिकारी 5 व 6 को रहेंगे प्रदेश के दौरे पर

रायपुर। भाजपा महिला मोर्चा की 36 राष्ट्रीय पदाधिकारी व कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष 5 और 6 जुलाई को छत्तीसगढ़ में रहेंगे। वे यहां सुकमा और बीजापुर जिले को छोड़कर अन्य सभी जिलों में जाएंगे और केंद की उपलिब्धयां और छत्तीसगढ़ में पिछले 15 साल में हुए विकास कार्यों को भी महिलाओं के बीच बताएंगे। इसके अलावा वे केंद्रीय योजना का लाभ लेने वाले लाभार्थियों का सम्मान भी करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत की मौजूदगी में अहम बैठक हुई।

पांच बी.टेक छात्रों को नामी कंपनियों ने इंटर्नशिप ऑफर की

रायपुर। नवा रायपुर स्थित ट्रिपलआईटी के पांच बी.टेक छात्रों को दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटी में इंटर्नशिप का ऑफर मिला है। उनका चयन कई महीनों तक चली कड़ी अंतरराष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बीच हुआ। जय वर्धन और आदित्य कोथा को मिटैक्स कनाडा की ओर से ग्लोबलिंक रिसर्च इंटर्नशिप के लिए चुना गया है। मिटैक्स कनाडा सरकार से एफिलेटेड एक नॉट फॉर प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है जो रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए इंटरलेवल पर रिसर्चर को मोटिवेट करता है। जय का चयन यूनिवर्सिटी ऑफ विन्निपेग, मैनिटोबा, कनाडा द्वारा किया गया है। जबकि आदित्य का चयन कार्लेटन यूनिवर्सिटी, ओंटारियो, कनाडा (डोमेन ऑफ वर्क - साइबर सिक्योरिटी और एआई) द्वारा किया गया है। इन दो छात्रों के अलावा इसी बैच के तीन अन्य छात्रों ने भी विश्व स्तर के नामी विश्वविद्यालयों में समर इंटर्नशिप हासिल की है। घंटा साईं कृष्णा और कुंद्रापु सुप्रिया को लुइसविले विश्वविद्यालय केंटकी अमरीका ने यथिन प्रकाश केथेपल्ली को यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन ने चुना। इनकी इंटर्नशिप अवधि लगभग 12 सप्ताह की होगी।

राजीव भवन में कल प्रदेश अध्यक्षों की बैठक

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम की उपस्थिति में 27 जून 2023 सुबह 10 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में मोर्चा-संगठन, प्रकोष्ठ-विभाग के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक लेंगी।

चैनपुर में पेयजल की समस्या हुई दूर, 2 हैंडपंपों से जल प्रदाय चालू

मनेंद्रगढ़। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने मनेंद्रगढ़ जिले के ग्राम-चैनपुर में पानी की समस्या संबंधित खबर को संज्ञान में लेते हुए पीएचई को तत्काल समस्या के निराकरण करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर से निर्देश मिलने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेंद्रगढ़ के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत चैनपुर के वार्ड क्रमांक 13 में स्थापित तीनों हैंडपंपों में आवश्यक सुधार कार्य करते हुए 2 हैंडपंपों से जल प्रदाय चालू कर दिया गया है। हैंडपंप के बन जाने से चौनपुर में पानी की समस्या का समाधान हो गया है। ग्रामीण हुए खुश अब उन्हें पानी के लिए भटकना नही पड़ेगा।

डॉ. रमन विधायक होने का उत्तर दायित्व नहीं निभा सके : मुदलियार

राजनांदगांव। भूपेश बघेल की सरकार ने 15 सालों के कुशासन से प्रदेश को उबारा है। युवा आयोग अध्यक्ष श्री मुदलियार ने आरोप लगाया कि डॉ. रमन सिंह विधायक होने का उत्तर दायित्व नहीं निभा सके। आज भी वे यहां निष्क्रिय हैं, क्षेत्र की जनता उन्हें ढूंढती है। वे गाहे-बगाहे यहां नजर आते हैं और उस दौरान भी लोगों का उनसे मिल पाना मुश्किल होता है। क्षेत्र की जनता अपनी समस्याएं लेकर कहां जाए? जब उनका नेतृत्वकर्ता ही वहां मौजूद न हो ।उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाटन का विधायक होने नाते वहां विकास को नया आयाम दिया। इसकी तुलना में डॉ. रमन सिंह 15 वर्षों में राजनांदगांव को कुछ नहीं दे पाए। वे जिन कार्यों को अपनी उपलब्धियां बताते हैं वे आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे और अफसरशाही के भरोसे चलने वाली सरकार के कुशासन का नमूना है। मुदलियार ने आरोप लगाया कि डॉ. रमन सिंह ने बगैर लोगों की आवश्यकता समझे, उनकी समस्याओं के समुचित निदान को नजर अंदाज करते मनमाने तरीके से बगैर किसी योजना के कार्य किया। जिसका खामियाजा शहर और राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र के लोग भुगत रहे हैं। इनकी ही सरकार में दिग्विजय स्टेडियम की दुर्दशा कर दी गई। शहर में फ्लाई ओवर का निर्माण कर इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया। मातृ-शिशु अस्पताल जैसी ईमारतों के निर्माण में भारी कोताही बरती गई। नतीजा यह है कि यहां ड्रेनेज सिस्टम खराब होने के कारण बारह महीनों परेशान होना पड़ता है।

मतदान दिवस को निर्वाचन क्षेत्र में रहेगी अवकाश

बेमेतरा। छ.ग.राज्य निर्वाचन आयोग नवा रायपुर द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार जिले के नगरपालिका बेमेतरा के वार्ड-06 में तथा बेरला ब्लॉक के ग्राम पंचायत सांकरा, घटियाकला, मुड़पार, चण्डी तथा साजा के ग्राम पंचायत बरगा के वार्ड 07 में दिनांक 27 जून 2023 को मतदान सम्पन्न कराया जायेगा। छ.ग. शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में दिनांक 27 जून 2023 को अवकाश घोषित किया गया है।

शिक्षा के साथ खेल और अनुशासन भी जरूरी : मुख्यमंत्री बघेल

बच्चे ही हमारा भविष्य, इनके लिए शिक्षा का बेहतर वातावरण देना और संसाधन तैयार करना हमारी जिम्मेदारी - बघेल

रायपुर। आज के दौर में स्कूलों में शिक्षा का वातावरण बनाना जरूरी है। बच्चों को शिक्षा के साथ खेलकूद और अनुशासन पर भी ध्यान देना है। छात्र जीवन में ही समय की कीमत समझनी होगी। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शिक्षा सत्र 2023-24 के शुभारंभ और शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर आज प्रोफेसर जेएन पांडेय शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में कहीं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक स्कूल शिक्षा का मंदिर होता है और इस मंदिर को भी हमेशा साफ सुथरा रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों के खुलने से राज्य में शिक्षा के प्रति फिर से रूझान बढ़ा है और वर्तमान में प्रत्येक वर्ग के लोग अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर स्कूली बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा उन्हें मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों को गणवेश, पुस्तकें तथा स्कूल बैग का भी वितरण किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, प्राचार्यों और अभिभावकों को नये शिक्षा सत्र के शुभारंभ और शाला प्रवेशोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि यही बच्चे हमारा भविष्य हैं और इन बच्चों को शिक्षा का उचित वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी है ताकि इनका पढ़ाई में मन लगा रहे।

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक प्रो जेएन पांडेय शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल के जीर्णोद्धार के लिए 5 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत करते हुए कहा कि शिक्षा के मंदिरों को सुदृढ़ और सुंदर बनाने के लिए राशि की कभी कभी भी आड़े नहीं आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के स्कूलों के जीर्णोद्धार और मरम्मत के लिए बजट में 12 सौ करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की थी। इस राशि से वर्तमान में 23 हजार स्कूलों में काम चल रहा है।

दूसरे चरण में 4318 बालवाडियों का शुभारंभ

शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री बालवाड़ी योजना के दूसरे चरण में वर्चुअल रूप से 4 हजार 3 सौ 18 बालवाडियों का शुभारंभ किया। राज्य में बालवाडियों के जरिए पांच से छ: वर्ष के बच्चों को बुनियादी शिक्षा के प्रति जागरुक करने का प्रयास किया जाता है। बालवाड़ी में बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा प्रदान की जाती है ताकि स्कूल जाने में उन्हें कोई घबराहट का सामना न करना पड़े। बालवाड़ी योजना के पहले चरण में 5 सितंबर 2022 को 5 हजार 1 सौ 73 बालवाड़ी की शुरूआत की गयी थी।

ऐतिहासिक स्कूल है प्रो. जेन पांडेय शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, राज्य को यहां से मिले हैं 4 मुख्यमंत्री और एक उप राष्ट्रपति

प्रो. जेएन पांडेय स्कूल एक ऐतिहासिक स्कूल है। इस स्कूल की स्थापना सन 1864 में हुई थी और ये स्कूल कभी कलकत्ता विश्वविद्यालय तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से भी संबद्ध रहा है। इस स्कूल ने राज्य को चार मुख्यमंत्री दिए हैं। स्व. पं. रविशंकर शुक्ल, स्व. द्वारका प्रसाद मिश्रा, स्व. श्यामा चरण शुक्ल तथा स्व. मोती लाल वोरा इसी स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं। इसके साथ ही देश के पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. हिदायतुल्ला भी इसी स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं।

शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक श्री कुलदीप जुनेजा, रायपुर नगर निगम के महापौर श्री ऐजाज ढेबर, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत श्री रामसुंदर दास, शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री आलोक शुक्ला, शिक्षा विभाग के सचिव डॉ एस भारती दासन समेत विभाग के अधिकारी तथा स्कूलों के विद्यार्थी, शिक्षक, प्राचार्य एवं अभिभावक मौजूद थे।

बस्तर की सभी 12 सीट जीतने के लिए सभी को संयुक्त रूप से काम करना होगा: सिंहदेव

- शराबबंदी करना मतलब सांस नहीं लेने देने के बराबर होगा

जगदलपुर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण सम्मेलन में सम्मिलित होने बस्तर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बस्तर में 12 की 12 विधानसभा सीट वापस लाना आसान नहीं होगा। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। पिछले चुनाव में बस्तर के मतदाताओं ने कांग्रेस प्रत्याशियों पर भरोसा दिखाया था, इस विश्वास को बनाए रखने की जिम्मेदारी अब हम सभी की होगी। सिंहदेव ने कहा कि चुनाव के पहले किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेना भूल होगी। यह कह देना कि बस्तर की सभी सीट जीतेंगे ऐसा असंभव तो नहीं है पर इसके लिए सभी को संयुक्त रूप से काम करना होगा। उन्होने कहा कि ऊपरी स्तर के नेताओं से लेकर संगठन व जमीनी कार्यकर्ताओं को मिलकर यह लड़ाई लडनी होगी। सर्व आदिवासी समाज के चुनावी मैदान में उतरने को लेकर उन्होने कहा कि सर्व आदिवासी समाज यदि अपने प्रत्याशी उतारते हैं तो भी हमें तैयारी के साथ मैदान में जाना होगा।

प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा और प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के बीच संगठन में फेरबदल को लेकर हुए विवाद पर स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने कहा कि चुनाव के पहले किसी भी तरह का तालमेल या आदान-प्रदान में कमी दिखने का संदेश जाता है तो यह अच्छा नहीं है। इस प्रकरण में प्रदेश प्रभारी के निर्देश आने के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने स्पष्ट कर दिया था कि प्रदेश प्रभारी के निर्देश के अनुरूप ही काम करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने शराबबंदी के विषय पर कहा कि चुनाव के समय जो घोषणापत्र

बनाया गया था उस समय मैं भी इस काम के लिए नजदीक से जुड़ा हुआ था। लोगों ने मुझसे कहा था यदि शराब बंदी करोगे तो हम वोट नहीं देंगे। इसकी वजह थी कि वे लोग शराब का सेवन करते थे। दूसरी तरफ महिलाएं शराब बंद करवाने के पक्ष में थीं। ये दो राय निकलकर सामने आई। घरेलू हिंसा, सामाजिक तानेबाने, आर्थिक तंगी की वजह महिलाएं चाहती थीं कि शराब बंदी हो जाए लेकिन ये लागू नहीं हो पाया।

उन्होने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों के लोग भी शराब का सेवन करते हैं। आदिवासी क्षेत्रों में 5 लीटर तक शराब रखने का कानून बना है। सेवन करना उनकी संस्कृति में है। यदि आप पूर्ण शराबबंदी कर देंगे तो आदिवासी समाज इसका समर्थन नहीं करेगा। कुल 146 ब्लॉक हैं उनमें आधे से ज्यादा यानी 85 ग्रामीण क्षेत्र है। उनमें शराब का सेवन की परंपरा से जुड़ा हुआ है इसलिए ऊपर से शराबबंदी करना मतलब सांस नहीं लेने देने के बराबर होगा।

जल्द घोषित और लागू होगी मध्यप्रदेश की आई. टी. पॉलिसी: मंत्री सखलेचा

- आई. टी. आधारित निवेश, रोजगार, बुनियादी ढांचा और शोध आधारित विकास पर फोकस

भोपाल। मध्यप्रदेश की आईटी - आईटीईएस और ईएसडीएम नीति शीघ्र ही घोषित और लागू की जाएगी। यह जानकारी विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी तथा एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने दी है। उन्होंने नीति के प्रारूप की समीक्षा भी की। मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि इस नीति का लक्ष्य सभी कारकों का समावेश कर आईटी क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए एक जीवंत तथा समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना है । निवेश, रोजगार, नवाचार और उद्योगों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने पर नीति में विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि 2023 के लिए मध्य प्रदेश की आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम नीति उद्योग जगत से विचार-विमर्श के विभिन्न सत्रों और विभिन्न राज्य की नीतियों की बेंचमार्किंग के पश्चात बनाई गई है।

नीति का प्रमुख उद्देश्य प्रोत्साहन प्रदान कर और नियामक प्रक्रियाओं को

सरल बनाकर आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना है। यह नीति व्यवसाय-अनुकूल वातावरण बनाने और उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करने पर केंद्रित है ।मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि नीति का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में मध्यप्रदेश में आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम क्षेत्र में 10 हजार करोड़ रूपए का निवेश आकर्षित कर 2 लाख नई नौकरियां सृजित करना है। इसमें 10 मिलियन वर्गफुट आईटी, ईएसडीएम इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेस का निर्माण, राज्य भर में अत्याधुनिक आईटी पार्क, भवन, प्लग एंड प्ले स्पेस को आईटी,आईटीईएस, ईएसडीएम के लिए प्लग एंड प्ले और रेडी टू बिल्ड फ़ैक्टरियां शामिल कर बुनियादी ढांचा खड़ा करने पर जोर दिया गया है।

राज्य में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देना भी नीति का अहम हिस्सा है ।उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट नीति नवीन विशेषताएं प्रस्तुत करती है, जो उद्योग के समक्ष आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान भी सुझाएगी ।ड्राफ्ट नीति में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स के लिए प्रत्यक्ष सहायता का विशेष प्रावधान प्रदान करके विश्व स्तरीय आईटी बुनियादी ढाँचा विकसित करने के प्रावधान शामिल हैं। इस नीति का प्रमुख उद्देश्य अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम पार्क और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देना है।

नीति में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है और पूंजी सब्सिडी कैपिंग को बढ़ाकर उनका समर्थन किया गया है। प्रारूप नीति में ईएसडीएम इकाइयों में निवेश आकर्षित करना, स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना और एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना शामिल है ।ड्राफ्ट नीति विविध औद्योगिक परिदृश्य और समावेशिता के महत्व को प्रदर्शित करती है। यह नीति वृहद् और एमएसएमई दोनों प्रकार के उद्योगों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करती है।

नरेंद्र मोदी की सरकार सदैव गरीबों, वंचितों और पिछड़ों के लिए समर्पित रहा है: रंजना

धमतरी। मोदी कार्यकाल के 9 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के सभी योजनाओं को घर घर जाकर सम्पर्क करने गंगरेल मंडल के डुबान क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरबांधा, हरफर, पटौद एवं अरौद डु गांव विधायक रंजना डीपेंद्र साहू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्यामा साहू, भाजपा वरिष्ठ देवनाथ नेताम, गंगरेल मंडल अध्यक्ष उमेश साहू, , रुद्री सरपंच अनिता यादव, धर्मराज सिन्हा, डामेश्वर सिन्हा पहुचें, जहां पर जनता के मध्य जाकर ग्रामीणों से को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल बेमिसाल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण योजना का पत्रक वितरण करते हुए सभी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दिया गया। विधायक रंजना साहू ने बताया कि अंत्योदय के सिद्धांत से भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सदैव

गरीबों वंचितों और पिछड़ों के लिए समर्पित रहा है,माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने जन-केंद्रित शासन की दिशा में एक आदर्श बदलाव देखा है। पूरे देश में अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने और विकास के परिणामों को बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक नीतियां और पहल लागू की गई, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के इन 9 वर्षों में गति के साथ प्रगति का जो मॉडल विकसित हुआ है, वह भारत को अलग ही ऊंचाइयों पर ले गया है। बुनियादी ढांचे के विकास, विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना में हो रही प्रगति के साथ ही दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्यामा साहू ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का स्पष्ट आह्वान वंचितों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से नीतियों की आधारशिला बन गया। गंगरेल मंडल अध्यक्ष उमेश साहू ने बताया कि स्वर्णिम भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नए आयाम स्थापित करते हुए गरीबों के कल्याण के लिए कार्य किए है। पुर्व जनपद सदस्य एवं डुबान क्षेत्र के भाजपा वरिष्ठ देवनाथ नेताम ने कहा कि निर्माण कार्यों में नए आयाम स्थापित करते हुए केंद्र सरकार ने घर-घर तक विभिन्न योजनाएं लाकर सशक्त भारत निर्माण मोदी जी की देन है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना से संवर रहे बिलासपुर के 1365 स्कूल भवन

- 74 करोड़ 74 लाख 59 हजार रूपए की लागत से स्कूलों का कायाकल्प

रायपुर। प्रदेश की शालाओं में उच्च स्तर की अधोसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना शुरू की गई है। बिलासपुर जिले के 1365 स्कूलों को संवारने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप स्कूलों का कायाकल्प होने से बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर परिवेश मिलेगा। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में इस योजना के तहत स्कूल भवनों को संवारने का कार्य निरंतर जारी है। 74 करोड़ 74 लाख 59 हजार रूपए की लागत से 1365 स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। इन स्कूलों में छतों को सुधारने का काम, पॉलिश, दीवारों में रंगरोगन, शौचालयों की मरम्मत के साथ साज सज्जा का कार्य किया जा रहा है। स्कूल भवनों की पुताई का काम प्राकृतिक गोबर पेंट से किया जा रहा है। इससे स्कूल भवन देखने में काफी आकर्षक लग रहे है।

जिले के जिन स्कूलों में मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है। वे बिल्कुल नये स्वरूप में नजर आ रहे है। इन स्कूल के बच्चों को बेहतर परिवेश में पढने की सुविधा मिलेगी। जिन स्कूलों में मरम्मत कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां के ग्रामीण मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से बच्चों को बेहतर स्कूल भवन मिलेगा और वे अच्छे से पढ़ाई कर पाएंगे।

शिक्षा एक चमत्कार है जो सभी चीजों को सीखने में मदद करता है: रेखचंद जैन

- शिक्षा बच्चों को भविष्य गढने का ज्ञान देती है - महापौर सफीरा साहू
- शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में पहली कक्षा के छात्रों को दिया गया जाति प्रमाण पत्र

जगदलपुर। जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन ने कहा कि शिक्षा से व्यक्ति अपने भविष्य को बेहतर कर सकता है। शिक्षा एक चमत्कार है जो सभी चीजों को सीखने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव में ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा शिक्षा के प्रति बच्चों में जागरूकता के लिए सरकार ने प्रवेशोत्सव मनाने का निर्णय लिया। सरकार ने लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए योजनाओ का क्रियान्वयन किया, इसमें बच्चों को गणवेश, पाठ्यपुस्तक, सायकल का वितरण, मध्यान्ह भोजन और नवप्रवेशीय बच्चों को जाति प्रमाण पत्र जारी करना हैं। उन्होंने पालकों को बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। श्री जैन ने कविता के

माध्यम से शिक्षा के लिए सबको जागरूक किया ना छुटे इस बार शिक्षा है सबका अधिकार, हिन्दु, मुश्लिम, सीख-ईसाई सब मिलकर करें पढ़ाई। जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में किया गया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने कहा कि शिक्षा बच्चों को भविष्य गढने का ज्ञान देती है। विद्यार्थी देश के भविष्य को बेहतर करने में अपना योगदान देंगे। इस शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जाति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया जो बच्चों के भविष्य के लाभ दायक होगा। उन्होंने कहा कि बस्तर बदल रहा है, जगदलपुर भी बदल रहा है हमने गढ़बो नवा जगदलपुर के लिए प्रयास किया है। बस्तर के बच्चों की शिक्षा स्तर में वृद्धि हुई, इसके लिए शासन-प्रशासन के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने बताया कि शासन-प्रशासन अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा व्यवस्था पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए जिले में संचालित समस्त शासकीय 2341 शालाओं में विद्यालयीन व्यवस्थाओं को सुदृढीकरण किया गया है।

शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर 50 नवप्रवेशित छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत् सायकल वितरण किया जा रहा है एवं जिले में कुल 5180 छात्राओं को सत्र 2023-24 में वितरण किया जाएगा। शाला प्रारंभ के साथ ही 120586 छात्रों को निःशुल्क गणवेश एवं 109594 छात्रों को पाठ्यपुस्तक वितरण किया जा रहा है। शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर सांकेतिक रूप से कक्षा पहली के 05, 6वीं के 05 एवं कक्षा 9वीं के 05 विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, पुष्प हार और मिठाई खिलाकर नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत करते हुए गणवेश और पाठ्यपुस्तक का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा कक्षा पहली में नवप्रवेशी 9 बच्चों को सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र(जाति प्रमाण पत्र)का वितरण भी किए। प्रशासन द्वारा इस वर्ष शाला प्रवेश उत्सव के साथ-साथ ही कक्षा पहली में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को शासन की मंशानुरूप जाति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु एक माह का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करना प्रस्तावित है। साथ ही 50 नवप्रवेशित छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत् सायकल वितरण किया गया।

इंटरटेनमेंट, वेब सीरीज समाज के लिए खतरा; बिगड़ रहे युवा: विहिप

■ देशव्यापी शौर्य जागरण यात्रा निकालेगी विहिप

रायपुर। रायपुर में विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें भारतीय हिंदू परिवारों को टूटने से कैसे बचाया जाए, इस पर चर्चा की गई। विहिप के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने हिंदू परिवार व्यवस्था पर हो रहे चौतरफा प्रहार, बढ़ती लव जिहाद और धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक व्यापक कार्य योजना बनी है। इसके तहत बजरंग दल 30 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच देशव्यापी शौर्य जागरण यात्रा निकालेगा।

इसके माध्यम से देश के हर कोने में रहने वाले हिंदुओं को संगठित कर उन्हें इन समस्याओं से निपटने में सशक्त बनाया जाएगा। देशभर में ब्लॉक स्तर पर निकलकर युवा पीढ़ी को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा। विहिप अपने बाल संस्कार केंद्रों के विस्तार के साथ गीता/रामायण की परीक्षाएं भी आयोजित करेगी। बैठक में 44 शहरों के 237 पदाधिकारी मौजदू रहे।

युवाओं में आई भारतीय संस्कारों और मूल्यों की कमी विहिप

विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने माना कि युवाओं में भारतीय संस्कारों और मूल्यों की कमी आई है। धर्मांतरण हो रहे हैं, इन सब पर रोक लगाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। दीपावली के आस-पास संतों की यात्रा देशभर में आयोजित की जाएगी। इसमें संत उन आम परिवारों के बीच जाएंगे जहां आमतौर पर संत नहीं जाते। बैठक में हिंदू परिवार व्यवस्था को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया है।

विहिप ने इंटरटेनमेंट, वामपंथी शिक्षाविदों और कोर्ट के कुछ फैसलों को हिंदू समाज के लिए खतरा बताया। भारत के घर-घर में सबसे बड़ा आक्रमण मनोरंजन जगत की ओर से होता दिखाई दे रहा है। फिल्में, वेब सीरीज और धारावाहिकों के जरिए लोगों में अपनी मनमर्जी करना, संस्कारों को ना मानना जैसी हरकतों का महिमामंडन किया जा रहा है।

हिंदू परिवार ये करें

- पूर्वजों के स्थानों से जुड़े।
- पारिवारिक सहभोज यानी सभी साथ में भोजन करें।
- पूरा परिवार समय-समय पर एकत्र हो।
- सामूहिक भजन, दान, सेवा कार्य हो।
- उत्सवों, तीर्थ घूमने जाएं, मातृभाषा का प्रयोग, स्वदेशी उपयोग का आग्रह है।
- रामायण और गीता पर परीक्षा होगी

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

विदेशी स्वर में राष्ट्रगान!

पिछले दिनों प्रधान मंत्री अमरीकी दौरे पर थे. यह [illegible] प्रधानमंत्री इसके पहले भी दुनिया भर के देशों में जाते रहे हैं लेकिन इस बार जो महत्वपूर्ण घटना घटी, उसे देख कर मेरी आँखों से आँसू निकल पड़े, बहुतों के भी निकले होंगे। प्रधानमंत्री मोदी जब वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन सभाभवन में भारतीय समुदाय को संबोधित करने पहुंचे तो वहा अफ्रीकी-अमरीकी गायिका और नायिका मेरी ज्यूरी बिलमेन ने भारत का राष्ट्रगान गा कर सबको अभिभूत कर दिया। उनके राष्ट्रगान गाने के बाद मोदी उनकी तरफ बढ़े बधाई देने और आभार ज्ञापन करने तो उस गायिका ने मोदी जी के पैर छू लिए. उनके इस भारतीय संस्कार को देख कर सभा भवन एक बार फिर तालियों से गूँज उठा. भारत माता की जय इ नारे गूँज उठे. बिलमेन वही लोकप्रिय गायिका है जिसने सन 2020 को दिवाली के आसपास अपना एक सुंदर वीडियो जारी किया था, जिसमे वह महान रचनाकार श्रद्धाराम फिल्लौरी का लिखा अमर भजन %? जय जगदीश हरे %% गाती दिखाई दे रही है. भारतीय साड़ी पहने हुए बेहद श्रद्धा के साथ भजन गाती इस गायिका को देख कर कोई भी अभिभूत हो जाएगा। मन भक्ति-भाव से भर उठेगा। इस गायिका का साढ़े छह मिंनट का वीडियो यू ट्यूब पर उपलब्ध है. प्रधानमंत्री की अमरीकी यात्रा के दौरान बिलमेन द्वारा % जन-गण मन अधिनायक जय हे% गायन को मैं सुन नहीं सका था, आज जब यू-ट्यूब पर उसे सुना तो बरबस ही आँखों से अश्रु प्रवाहित होने लगे। एकांत में ही खड़े हो कर राष्ट्रगान सुना और अपने भारतीय होने पर रह-रह कर गर्व करने लगा कि कितनी बड़ी बात है की हमारा राष्ट्रगान कोई विदेशी गा रहा है। एक और वीडियो मैंने कनाडा के बच्चों का भी देखा है, जिसमे लगभग पचास कैनेडियन बच्चे एक समूह में खड़े हो कर %? जय जगदीश हरे% गा रहे है. कुछ अन्य देशो के बच्चे भी हिंदी भजन गाते सुने जा सकते है। मथुरा-वृन्दावन में अनेक विदेशी और उनके बच्चे हरे रमा हरे कृष्णा, राधे-राधे बोलते कृष्ण भक्ति में लीन नज़र आते है। इन सबको देख कर किसी भी राष्ट्र भक्त का सिर गर्व से तन जाएगा। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अपने ही देश के कुछ लोग न तो राष्ट्रगान का सम्मान करते हैं, न अपनी सनातन परम्परा का सम्मान ही करते हैं. प्रधानमंत्री ने गत महीने जब पापुआ न्यू गिनी का दौरा किया था, तो वहां के राष्ट्रपति ने भी उनके चरण छू लिए थे.ऐसे दृश्य देख कर गर्व होना चाहिए की हम उस देश के वासी हैं, जिस देश के प्रधानमंत्री के सामने दुनिया सर झुका रही है. उसी समय आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने मोदी की तारीफ़ करते हुए कहा था, %%मोदी इज़ द बॉस%. मैं कोई भाजपा का समर्थक नहीं हूँ लेकिन जब विश्व में भारत का सम्मान देखता हूँ तो अपने भारतीय होने पर गर्व का अनुभव करता हूँ। कुछ लोग जो मोदी से बेशक चिढते हैं, वे मोदी को मिले सम्मान से विचलित हो जाते हैं। वे इस बात को बिलकुल ही भूल जाते हैं कि यह सम्मान व्यक्ति-मोदी का नहीं, वरन भारत देश का है. कोई व्यक्ति-मोदी के सामने नहीं झुक रहा, वह भारत देश के सामने झुक रहा है। इसमें दो राय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की ताकत बढ़ी है और दुनिया भारत का लोहा मनाने लगे है। अनेक ताकतवर देश भारत के नजदीक आ रहे है। यह देख कर भारत से बहुत पीछे रह गया देश पकिस्तान आतंकवाद के जरिए भारत को परेशान करने में लगा रहता है, वहीं चीन जैसा विकसित मगर अतिक्रमणवादी देश विचलित हो जाता है.दुर्भाग्य की बात यह है कि भारत में ही एक ऐसा गद्दार वर्ग भी पैदा हो गया है जो देश को तोड़ने की बाद भी करता है। भारत तेरे टुकड़े होंगे यह नारा पकिस्तान में नहीं, देश की राजधानी दिल्ली में लगा था, वह भी एक विश्वविद्यालय परिसर में ! नि:सन्देह कुछ वर्षो में भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत हुआ है. स्वाभाविक तौर पर प्रधानमंत्री भी लोकप्रिय हुए हैं इसलिए विपक्ष की बेचैनी बढ़ रही है कि पता नहीं अगले साल हम पहले की तरह सत्ता की मलाई खा सकेंगे या नहीं। लेकिन यह देश की जनता तय करेगी कि किसे बिठाए, किसी बाहर कर दे. उस पर मैं नहीं जाने वाला, मैं तो केवल इस बात से अभिभूत हो जाता हूँ कि मेरे देश के राष्ट्रगान को विदेशी महिला गा रही है, विदेशी बच्चे हमारा भजन गा रहे है मगर दुखी भी होता हूँ कि अपने ही देश में एक वर्ग ऐसा है जो भारत माता की जय या वन्देमातरम भी नहीं बोलना चाहता। राष्ट्रगान के दौरान उसे खडे होने में भी बडी तकलीफ होती है।

सरकार को घेरने भाजपा ने बनाई रणनीति

■ नेता प्रतिपक्ष चंदेल ने कहा -मानसून सत्र में सरकार के खिलाफ लाएंगे अविश्वास प्रस्ताव

रायपुर. नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के आवास में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गई. बैठक में फैसला लिया गया कि विधानसभा के अंतिम और मानसून सत्र में बीजेपी छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी.

अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से ज्वलंत समस्याओं को सामने लाएंगे. पीएससी, रेत, शराब, राशन घोटाले को लेकर सदन में तीखी बहस के साथ मामले को उठाएंगे. चंदेल ने कहा, अन्य विपक्षी दल जनता कांग्रेस और बीएसपी के विधायकों से भी इस संबंध में चर्चा करेंगे. छत्तीसगढ़ का अंतिम और मानसून सत्र सबसे छोटा है. 10 बैठक होनी चाहिए. आपको बता दें कि विधानसभा का मानसून सत्र 18 से 21 जुलाई तक चलेगा.बैठक में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, संगठन महामंत्री अजय जामवाल, रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल, धमतरी विधायक रंजना साहू, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, कुरूद विधायक अजय चंद्राकर शामिल हुए.

खाद-बीजों की कालाबाजारी नहीं रोक पा रही सरकार : शर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों को एक बार फिर प्रताड़ित करने का कुचक्र चला रही है। श्री शर्मा ने कहा कि मानसून प्रदेश में सक्रिय हो चुका है और कृषि कार्य अब जोर पकड़ने वाला है तब सहकारी समितियों से किसानों को बीज के लिए भटकना पड़ रहा है और आगे चलकर खाद की किल्लत से भी किसान परेशान होंगे।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सहकारी समितियों से पिछले दो माह से महामाया (राजेश्वरी) धान का बीज नहीं मिल रहा है। इससे किसानों को यह बीज 24 रुपए के बजाय खुले बाजार में निजी दुकानों से 70 से 75 रुपए प्रति किलो की दर पर खरीदने के लिए विवश होना पड़ रहा है। श्री शर्मा ने इसे धान बीज की कालाबाजारी बताते हुए कहा कि बीज उत्पादक किसानों ने जो महामाया (राजेश्वरी) धान बीज का उत्पादन किया था, वह बीज कहां गया; यह बताना सरकार की जवाबदेही है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि अब बारिश शुरू हो गई है और खेतों में धान बीज के अंकुरण के साथ ही किसानों को यूरिया खाद की जरूरत पड़ेगी। प्रदेश सरकार एक बार फिर यूरिया खाद की आपूर्ति सहकारी समितियों को नहीं कर रही है और किसान फिर खाद की कालाबाजारी के मकड़जाल में फंसने के लिए विवश होंगे। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार किसानों को यूरिया खाद के लिए तरसाकर अपने द्वारा किए गए गोबर घोटाले की भरपाई करने की फिराक में है। कचरा व मिट्टी से भरे कथित कम्पोस्ट खाद को एक बार फिर जबर्दस्ती किसानों को बेचकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार करोड़ों रुपए की अवैध वसूली करने का कुचक्र चला रही है।

बोर्ड की पूरक परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा वर्ष 2023 के परीक्षा फार्म भरने की तिथि में वृद्धि की गई है। छात्र अब 27 जून को कार्यालयीन समय शाम 5:30 बजे तक संबंधित संस्था के माध्यम से मण्डल के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के सचिव प्राफेसर व्ही.के.गोयल ने बताया कि हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा वर्ष 2023 के परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि सामान्य शुल्क के साथ 14 जून और विलंब शुल्क के साथ 20 जून निर्धारित थी। अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात कई छात्रों ने विभिन्न कारणों से परीक्षा फार्म नही भरने का हवाला देते हुए परीक्षा फार्म की तिथि में वृद्धि करने की मांग की।मण्डल द्वारा छात्र हित में पूरक परीक्षा फार्म भरने की तिथि में वृद्धि करने का निर्णय लिया। छात्र अब 27 जून तक कार्यालय समय शाम 5:30 बजे तक संबंधित संस्था के माध्यम से मण्डल के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे ज्यादा खुशहाल: मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश की 78 प्रतिशत आबादी की जीविका का प्रमुख आधार खेती और किसान दोनों बदहाल हो चुके है। मोदी सरकार की नीतियों के कारण देश में खेती घाटे का व्यवसाय बन गयी। डीजल के बढ़े दाम, उर्वरकों की कीमत और कृषि यंत्रों के दाम दुगुने होने के कारण खेती का लागत मूल्य दुगुना हो गया और किसानों का समर्थन मूल्य मोदी राज में मात्र 17 प्रतिशत के औसत से ही बढ़ा है। मोदी राज देश के किसानों के लिये आपदा का काल साबित हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि मोदी ने 2014 के चुनाव के पहले वायदा किया था 2022 तक किसानों की आय दुगुनी की जायेगी तथा कृषि उपज के लागत मूल्य का ज्यादा समर्थन मूल्य घोषित किया जायेगा लेकिन स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशो को मानने का भरोसा दिलाने वाले मोदी ने हर साल किसानों से धोखा किया। मोदी और भाजपा किसान से दो बड़े वादे कर सत्ता में आए। पहला वादा था, किसान के समर्थन मूल्य की लागत50 प्रतिशत मुनाफा पर निर्धारित करना। दूसरा वादा था कि इस मूल्य निर्धारण के फॉमूले से साल 2022 तक देश के 62 करोड़ किसान की आय दोगुनी हो जाना। छत्तीसगढ़ के किसानों को उनकी उपज की सबसे ज्यादा कीमत मिलता है। छत्तीसगढ़ में 20 लाख किसानों का कर्जा माफ कांग्रेस सरकार ने किया।

भ्रष्टाचारियों की वकील है कांग्रेस : अमित साहू

रायपुर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अमित साहू ने कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील शुक्ला द्वारा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव द्वारा जेहादियों के खिलाफ बुलडोजर चलाने का ऐलान किये जाने को विध्वंसक बताये जाने पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस शेरू असलम जैसों की वकील है। गुंडे, बदमाशों, अपराधियों, जेहादियों से कांग्रेस का कौन सा रिश्ता है जो ये उनकी पैरवी करने खड़े हो जाते हैं। भ्रष्टाचार के आरोपी पकड़े जाते हैं, बेहिसाब संपत्ति बरामद होती है, जेल जाते हैं और जमानत नहीं मिलती तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भ्रष्टाचारियों की वकालत करते हैं। उनके संरक्षण में छत्तीसगढ़ में गुंडागर्दी, अवैध कब्जेदारी, किसानों की जमीन हड़पने के साथ साथ जेहाद को बढ़ावा मिल रहा है। भाजपा गुंडों, जेहादियों पर कार्रवाई करने का वादा जनता से करती है और दिल कांग्रेस का जलता है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू ने कहा कि कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण कि नीति के कारण छत्तीसगढ़ की जनता, विशेषकर ओबीसी और अन्य कमजोर समाज पिस रहा है। बिलासपुर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष असलम द्वारा किसान की जमीन हड़पना और किसानों को उठा लेने की धमकी देना हम कतई सहन नहीं करेंगे। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अमित साहू ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव द्वारा इस विषय पर सवाल उठाने पर कांग्रेस द्वारा विध्वंसकारी कहा जा रहा है। जब भी कट्टर तत्वों के अपराधों के विरोध में आवाज उठाई जाती है।

प्रदेश के यूट्यूबर देवराज पटेल का हादसे में निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जाने-माने कॉमेडी यूट्यूबर देवराज पटेल एक सड़क हादसे का शिकार हो गए, जिसमें उनकी जान चली गई। राजधानी रायपुर के लाभांडी इलाक़े में सड़क हादसा हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक ट्रक और देवराज की बाईक की इस भिड़ंत में यूट्यूबर देवराज पटेल की मौत हुई है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि देवराज अपने मित्र राकेश मनहर के साथ लाभांडी से रायपुर शहर की ओर आ रहे थे। मोटरसाइकल में राकेश देवराज को बिठा कर ला रहा था, तभी रायपुर की ओर ही आ रही एक ट्रक से उनकी बाइक का हैंडल टकराया और बाइक अनबैलेंस हो कर गिर गई। बाइक गिरने से देवराज ट्रक के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।यह घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है।कुछ दिनों पहले ही महासमुंद जिले के रहने वाले यूट्यूबर देवराज पटेल ने सीएम भूपेश बघेल से मुलाकात के दौरान एक वीडियो भी बनाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में देवराज कहते हैं कि छत्तीसगढ़ में दो ही लोग फेमस हैं, एक मैं और एक मोर कका। गौरतलब है कि मशहूर यूट्यूबर भुवन बाम के साथ देवराज पटेल ने 2021 में कॉमेडी ड्रामा वेब सीरीज ढिंढोरा में भी काम किया था।

अब बच नहीं पाएंगे बैंक घोटाले के रिश्वतखोर भाजपाई: धनंजय

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला सहकारी बैंक घोटाले के दस्तावेज पुलिस के सुपुर्द हो गया अब बैंक घोटाले को दबाने के लिए करोड़ों रुपए की रिश्वतखोरी करने वाले रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल एवं उनके सहयोगी अब बच नहीं पाएंगे। पुलिस को जो दस्तावेज सौंपे गए हैं, उनमें फोरेंसिक रिपोर्ट, बैंक मैनेजर के नार्को टेस्ट की सीडी, ब्रेन मैपिंग रिपोर्ट सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं, जिनके आधार पर विवेचना कर सत्य को सामने लाकर उसे प्रमाणित किया जा सकता है। भाजपा की सरकार ने 54 करोड़ के बैंक घोटाले को दबाया था। इसमें भाजपा सरकार के मंत्रियों को रिश्वत देने की बात बैंक मैनेजर ने कबूल की थी। अब अदालत के आदेश पर अब मामला खुल गया है और भाजपा के भ्रष्टाचार की कलई खुलने के पुख्ता सबूत उपलब्ध हो गए हैं तो भाजपा बदहवास हो गई है। उसे अपने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और उनकी भ्रष्ट मंत्री मंडली के जेल जाने की नौबत आ गई है तो भाजपा के पैर के नीचे की जमीन खिसक गई है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन राज में 15 साल में इतने घोटाले हुए हैं कि इन भ्रष्टाचारियों को कोई नहीं बचा सकता। इन्हें छत्तीसगढ़ की जनता का धन लूटने का दंड भुगतना ही पड़ेगा। भाजपा अपने भ्रष्टाचारी गिरोह के बचाव में प्रमाण मांगती है तो अब यह प्रमाण सामने हैं।

किसान को धमकाने वाले कांग्रेस नेता पर एफआईआर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में किसान को धमकी देने वाले युवक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष शेरू असलम के खिलाफ रविवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई है। किसान की शिकायत पर कलेक्टर सौरभ कुमार ने भी एसडीएम को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके बाद एसडीएम ने मौके पर यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश जारी किया है। वहीं युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने नोटिस जारी कर शेरू असलम से 24 घंटे में जवाब मांगा है। दूसरी ओर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा है कि, हमारी सरकार आएगी तो गुंडों और जिहादियों के खिलाफ बुलडोजर चलेगा। दरअसल, किसान उमेंद्र साहू ने कलेक्टर को 23 जून को लिखित शिकायत दी थी कि ग्राम मोपका स्थित उसकी भूमि खसरा नंबर 1357 के मेड को तोड़ कर समीप के भू धारक शेरू असलम और मोहसिन खान ने अपनी भूमि में मिलाकर समतल कर दी है। इसके एक दिन बाद ही युवक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष शेरू असलम का एक वीडियो सामने आया था जिसमें वो कह रहा है कि, मेरी जमीन पर खंभा लगाने कैसे आ गए, जिलाध्यक्ष हूं। उठाकर ले जाऊंगा। तुम लोग कुछ नहीं बिगाड़ सकते। अब यह वीडियो वायरल है। वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बिलासपुर एसडीएम को जांच के लिए पत्र लिखा। इसके बाद एसडीएम ने धारा 145 सीआरपीसी के तहत मौके पर यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश जारी किया है।

विद्यालयों की जर्जर स्थिति में कैसे होगी पढ़ाई?: बृजमोहन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की बेहतरी के प्रदेश की कांग्रेस सरकार के फर्जी दावों का जमीनी सच यह है कि सोमवार से नए शिक्षा सत्र की शुरुआत ही जर्जर भवन, सुविधाओं के अभाव, शिक्षकों की कमी और स्कूल तक पहुंचने की दिक्कतों के बीच हुई। प्रदेश में 30 हजार से अधिक स्कूल इस सरकार के कारण जर्जर हो गए है । पिछले साढ़े चार साल में उन्होंने स्कूल के मरम्मत व मेंटनेंस में कोई ध्यान नहीं दिया ।जिसका परिणाम अब सामने है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा के दावे करके डींगे तो हाँक रही है लेकिन प्रदेशभर में शिक्षा की बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं के प्रति सरकार पूरी तरह उदासीन है।भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राजधानी से लगे ताराशिव में ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बावजूद हायर सेकेंडरी स्कूल नहीं खोलना प्रदेश सरकार के दावों की पोल तो खोल ही रहा है, साथ ही मुख्यमंत्री के उस दावे की धज्जियां भी उड़ा रहा है जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में की गई घोषणाओं से पूरा होने का दावा आँकड़ों के साथ किया था। ताराशिव में गत 23 जनवरी को भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में ही यह घोषणा की गई थी जिसका अब तक अता-पता नहीं है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि इसी तरह जांजगीर-चाँपा जिले में समग्र शिक्षा योजना के तहत स्कूलों की मरम्मत के लिए मार्च माह में राशि जारी होने के बावजूद जांजगीर-चांपा जिले की 23 और सक्ती जिले की 36 (कुल 59) स्कूलों की मरम्मत का काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। दो दर्जन से ज्यादा स्कूलों की मरम्मत का काम अब तक अधूरा है। रायपुर में सैकड़ो स्कूल के मरम्मत के लिए राशि जारी की गई है, पर एक भी स्कूल का मरम्मत नहीं हो पाया है।

दुर्भाग्य जनक स्थिति तो यह है कि इसके लिए एजेंसी स्मार्ट सिटी को बनाया गया है ,जो अपना खुद का कार्य निगम से करवा रहा है । ऐसे ही हालात में सोमवार से शुरू नए शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों और शिक्षकों को होने वाली परेशानियों से प्रदेश सरकार बेफिक्र है। शैक्षणिक सुविधाओं के नाम पर प्रदेश सरकार के मुँहजुबानी जमा-खर्च का आलम तो यह है कि बिलासपुर जिले में जिन जर्जर शाला भवनों की मरम्मत का काम चल रहा है, वहां विद्यार्थियों के बैठने तक की कोई व्यवस्था नहीं है। तोड़फोड़ के चलते धूल उड़ेगी और उसके बीच बच्चे पढ़ाई करने को विवश होंगे। जिले की 907 स्कूलों में बिजली की व्यवस्था नहीं है, वहीं 728 स्कूलों में बिजली कनेक्शन तो है लेकिन बिजली आपूर्ति बाधित है, 731 स्कूलों में बाउंड्री वाल नहीं है और वहाँ हमेशा नशेड़ियों का जमघट तथा मवेशियों का जमावड़ा रहता है।

कांग्रेस द्वारा छत्तीसगढ़ वासियों की मारीच और शकुनी से तुलना अक्षम्य अपराध:अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन द्वारा हिन्दुत्व और मामा को लेकर की गई टिप्पणी को छत्तीसगढ़ की भावनाओं का घोर अपमान बाताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है और कहा कि तुष्टीकरण की गंदी राजनीति में आकंठ लिप्त कांग्रेस अब हिन्दुत्व और रिश्तों की मर्यादा पर भी कीचड़ उछालकर अपना राजनीतिक चरित्र प्रदर्शित कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा क कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन ने छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर 'मामा' को लेकर जो टिप्पणी की है, वह भगवान राम के ननिहाल और उनके छत्तीसगढ़ स्थित सभी मामाओं का घोर अपमान है। प्रभु श्रीराम को छत्तीसगढ़ में भांजे के रूप में पूजा जाता है और छत्तीसगढ़वासी स्वयं को प्रभु श्रीराम का मामा कहलाने में गर्व अनुभव करते हैं। प्रमोद कृष्णन को यदि यह पता होता कि छत्तीसगढ़ में मामा अपने भांजों का चरण स्पर्श करते हैं और भांजों से कभी चरण स्पर्श नहीं कराया जाता, तो 'मामा' को लेकर वे यूं विष नहीं उगलते। प्रमोद कृष्णन ने मारीच और शकुनि की चर्चा करके छत्तीसगढ़ के सभी मामाओं और छत्तीसगढ़वासियों का अपमान किया है। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मामाओं के अपमान के लिए कांग्रेस नेताओं को पूरे छत्तीसगढ़ से बिना शर्त क्षमा याचना करनी चाहिए।आज कांग्रेस अगर हिन्दुत्व की बात करने पर विवश है तो यह भाजपा की ही वैचारिक जीत है। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हिन्दुत्व की बपौती तय कर लें, क्योंकि उनके पिता इस संबंध में विचार स्पष्ट है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.